वर्षः 7- अंकः 141, मुंबई, मंगलवार, 25 जुलाई, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

मीरा-भायंदर मनपा चुनाव की खबर

(पढ़ें पृष्ठ 3 पर)

'इंदु सरकार' के पीछे बीजेपी!

मुंबई। रियलिस्टिक फिल्मों के लिए मशहूर डायरेक्टर मधुर भंडारकर की आने वाली फिल्म 'इंदू सरकार' रिलीज के पहले ही विवादों में घिर गई है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि इस फिल्म के जरिए कांग्रेस पार्टी की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। अब सेंसर बोर्ड ने कुछ कट के साथ इस फिल्म को पास कर दिया है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

कांग्रेस ने पूछा गुजरात दंगे पर कब बनेगी फिल्म?

मधुर भंडारकर ने कहा

मधुर भंडारकर ने इस पूरे विवाद पर कहा है कि यह कोई डॉक्यूमेंट्री नहीं है बल्कि पूरी तरह से काल्पनिक फिल्म है। मधुर ने कहा– यह विवाद पूरी तरह से गलत है। मैंने एक फिल्ममेकर के तौर पर यह फिल्म बनाई है। मैं कह रहा हूं कि 70% फिल्म काल्पनिक है और 30% सच है। सच्चाई भी उनपर बनी किताबों और डॉक्यूमेंट्रीज पर आधारित है। कांग्रेस फिल्म को रिलीज से पहले देखना चाहती हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि ऐसा आखिर वो क्यों चाहते हैं?

कांग्रेस ने किया विरोध

सेंसर बोर्ड ने 12 कट के बाद फिल्म को यू/ए सर्टिफिकेट दे दिया है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने सीबीएफसी चीफ पहलाज निहालानी को चिट्ठी लिख सेंसर होने से पहले फिल्म को देखने की इच्छा जताई थी।

निठारी कांड

पंढेर और कोली को फांसी की सजा

नई दिल्ली। नोएडा के बहुचर्चित निठारी कांड में दोषी मनिंदर सिंह पंढेर और सुरेंद्र कोली को फांसी की सजा सुना दी गई। इस कांड में नर पिशाच के नाम से कुख्यात सुरेंद्र कोली को 7वीं बार मौत की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने इस केस को रेयरेस्ट ऑफ द रेयर मानते हुए दोनों दोषियों को मरते दम तक फांसी पर लटकाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अपने आदेश में साफ लिखा है कि दोषी सुरेंद्र कोली अपने मालिक मनिंदर सिंह पंढेर की कोठी डी-5 में लड़कियों और महिलाओं को बहला-फुसलाकर बुलाता। निर्दयी बनकर उनके साथ रेप करता। उनकी हत्या कर शरीर के टुकड़े-टुकड़े करके फेंक देता। कई बार वह शव के साथ भी शारीरिक संबंध बनाता। उनके मांस को खाता था।

नेक्रोफीलिया नामक मानसिक बीमारी : बताया जाता है कि सुरेंद्र कोली नेक्रोफीलिया नामक मानसिक बीमारी से ग्रसित था। यह बीमारी दुनिया की सबसे खतरनाक सेक्स विकृति मानी जाती है। ग्रीक में 'नेक्रो' का मतलब 'शव' और 'फीलिया' का मतलब 'प्यार' होता है। इस तरह 'नेक्रोफीलिया' का मतलब 'मरे हुए लोगों के साथ सेक्स करके आनंद हासिल करना' होता है।

शव के प्रति होता है सेक्स आकर्षण : इस विकृति से पीड़ित व्यक्ति शव के प्रति सेक्स आकर्षण महसूस करता है। वह पहले लड़की या औरत की हत्या करता, फिर उसके शव के साथ शारीरिक संबंध बनाता है। भारत में इस तरह की विकृति तंत्र साधना करने वालों में देखी जाती है, जो बहुत ही कम है। विदेशों में नेक्रोफीलिया ग्रसित लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

पुलिस और मनपा के भ्रष्ट अधिकारियों की शह पर चल रहा है...

गार्डन बीयर बार

देवेंद्र फडनवीस
मुख्यमंत्री

अजोय मेहता
मनपा आयुक्त

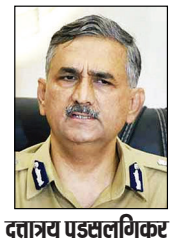

दत्तात्रय पडसलगिकर
मुं. पुलिस कमिश्नर

हिंदू संगठनों का प्रदर्शन का फैसला

मुंबई। मालाड पुलिस स्टेशन के पास बनें गार्डन बीयर बार के मामले में अबतक न तो मनपा प्रशासन और न ही पुलिस विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किये जाने से लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कई हिंदू संगठनों के नेताओं ने गार्डन बार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने के लिए अब मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त और पुलिस आयुक्त के समक्ष मोर्चा निकाले की तैयारी में हैं। इन लोगों की मांग है कि हिंदुओं की भावनाओं से खिलवाड करने वाले गार्डन बीयर बार को तत्काल पाबंदी लगाई जाये और इसे सहयोग देने वाले भ्रष्ट मनपा और पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाये। जैसा कि आपको मालूम है कि मालाड पश्चिम में मालाड पुलिस स्टेशन के पास स्थित गार्डन बीयर बार हिंदुओं की पूजास्थली एक मंदिर और देवलोक गमन के वास्ते निर्मित श्मशान भूमि के बिल्कुल पास स्थित है। **(शेष पृष्ठ 5 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

चीन, पाकिस्तान के खिलाफ भारत को किसी का समर्थन नहीं: ठाकरे

मुंबई, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दुनिया के नेताओं के साथ मित्रता बनाने के बावजूद पाकिस्तान एवं चीन के साथ अपने मुद्दों पर भारत अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने में नाकाम रहा। ठाकरे की पार्टी केंद्र एवं महाराष्ट्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का हिस्सा है।

ठाकरे ने यह भी कहा कि अगर बीजेपी चुनावों एवं अंदरूनी राजनीति में ही उलझी रही तो यह राष्ट्र के साथ अन्याय होगा। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना ' को दिये अपने साक्षात्कार के दूसरे भाग में ठाकरे ने पूछा, 'आखिर ऐसा क्या हुआ जिसके कारण कश्मीर में अशांति हुई और ड्रैगन (चीन) हमारा शत्रु बना? क्या कहीं हम चूक कर रहे हैं? प्रधानमंत्री ने दुनिया भर का दौरा किया और उन्होंने कई मित्र बनाये हैं। फिर, आखिर ऐसा

क्यों है कि कोई भी इन शत्रुओं के खिलाफ हमारा खुलकर समर्थन नहीं कर रहा है?'

उन्होंने कहा, 'बीजेपी शिवसेना को अपना नंबर एक दुश्मन मान सकती है। शायद इसी वजह से पाकिस्तान और चीन को नजरअंदाज किया गया हो? अगर वे शिवसेना को इन दोनों राष्ट्रों से बड़ा शत्रु मानते हैं तो यह उनका दुर्भाग्य है, मेरा नहीं।' ठाकरे के मुताबिक चीन की ताकत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और भारत को इसकी बराबरी के लिये प्रयास करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'सत्तारूढ़ पार्टी चुनावों और अंदरूनी राजनीति में फंसी हुई है, यह राष्ट्र के साथ अन्याय होगा। आप चुनाव कभी भी जीत सकते हैं, आपने इन्हें जीता भी है, लेकिन युद्ध तो युद्ध होता है और यहां तो आपके सामने चीन है।' ठाकरे ने कहा, 'एक तरफ वे (बीजेपी) पाकिस्तान से पाक अधिकृत कश्मीर को वापस नहीं ले सके तो दूसरी और चीन पांव पसार रहा है।'

शिवसेना प्रमुख ने गोरक्षकों का मुद्दा और उनके हिंसा का सहारा लेने की घटनाओं का हवाला देते हुए कहा, देश में अभी माहौल अच्छा नहीं है। उन्होंने पूछा, 'एक ही समय में आप कितने मोर्चों पर लड़ने में सक्षम होंगे।' राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुई एनडीए की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनका सस्नेह स्वागत किया। शिवसेना नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मुझे अपने साथ भोजन करने का अनुरोध किया और स्नेहपूर्वक मेरे परिवार के सदस्यों का कुशलक्षेम पूछा।

सड़क के गड्ढे में गिरी बाइकर पर चढ़ा ट्रक, मौत

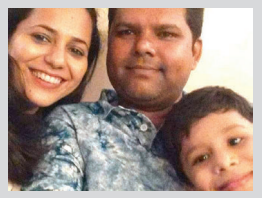

मुंबई, मुंबई-अहमदाबाद हाइवे पर वेती गांव के पास दुर्घटना में एक महिला बाइकर की मौत हो गई। दुर्घटना की शिकार मृतका का नाम जागृति होगले है, वह मुंबई के कलानगर, बांद्रा ईस्ट इलाके की रहने वाली थी। यह दुर्घटना उस वक्त हुई जब महिला अपने 2 अन्य बाइकर साथियों के साथ जवहर जा रही थी। जागृति मुंबई से 100 किमी दूर वेती गांव के पास हाइवे पर ही मौजूद एक गड्ढे के कारण बाइक से गिर गई, जिसके बाद पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें कुचल दिया। जागृति और उनके साथ जा रहे दो अन्य बाइकर मृणाल नायर और दन्यादा मस्कर 'बाइकरनी मोटरसाइकल क्लब' के साथ जुड़े थे। जागृति दुर्घटना के वक्त अपनी रॉयल एनफील्ड बाइक चला रही थीं। उनके पति का नाम विराज है। जागृति का एक 9 साल का बच्चा भी है जिसका नाम हर्षित है। रविवार के उसके अंतिम संस्कार में पूरे मुंबई से बाइकर्स शोक जताने पहुंचे। परिवार और दोस्तों ने जागृति की मौत के लिए खराब सड़कों को जिम्मेदार बताया।

9 लाख लोगों की होगी टीबी जांच

मुंबई, समय रहते टीबी का पता लगाने और उसका समय पर इलाज शुरू करने के लिए बीएमसी द्वारा 9 लाख लोगों की टीबी जांच की जाएगी। इसके लिए टीबी के लिए काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर बीएमसी काम करेगी। जानकारी के अनुसार, मुंबई के अभी भी ऐसे कई हिस्से हैं जहां इस बीमारी के मरीज होने की संभावना है। मगर जागरूकता के अभाव में लोग जांच के लिए आगे नहीं आते। ऐसे में बीएमसी टीबी विभाग द्वारा 70 से अधिक इलाकों को चुना गया है। जहां घर-घर जाकर लोगों की टीबी जांच की जाएगी। बीएमसी स्वास्थ्य विभाग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लोगों में टीबी के लक्षण की जांच करने के लिए 2-2 लोगों की 373 टीम तैयार की गई है, जो मुंबई सहित आस-पास

के पिछड़े इलाकों में जांच कर टीबी रोगियों को ढूंढेगी। किसी भी इंसान में लक्षण दिखने पर उसे एक्स-रे बाउचर और बलगम की जांच के लिए एक डिबिया दी जाएगी। बाउचर पाने वाले लोग पास के स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर निःशुल्क जांच करा सकेंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक, टीबी ट्यूबरक्लोसिस नामक बैक्टिरिया के कारण होती है। हर साल मुंबई में 30-36 हजार टीबी के नए मरीज सामने आते हैं। चूंकि टीबी हवा के जरिए एक से दूसरे में फैलती है। इसीलिए मुंबई में इसके मरीजों की संख्या अधिक देखने को मिलती है। मुंबई में जनसंख्या घनत्व अधिक होने के चलते आसानी से यह बीमारी एक से दूसरे में पहुंच जाती है। बीएमसी टीबी नियंत्रण की प्रमुख डॉ. दक्षा शाह ने कहा कि आगामी 1 से 15 अगस्त के बीच हम सामाजिक संस्था की मदद से 9 लाख लोगों की जांच करेंगे। इस दौरान उनमें लक्षण दिखने पर तुरंत उनकी जांच कर इलाज शुरू किया जाएगा। इसके लिए मुंबई और आसपास के 73-75 इलाकों को चिह्नित किया गया है। दो चरणों मे इसे किया जा रहा है। पहले चरण के दौरान 5 लाख लोगों की इसी साल जनवरी में जांच की जा चुकी है। फिलहाल बारिश का मौसम है ऐसे में अधिक से अधिक लोग हमें घर पर मिलेंगे। इसलिए इस समय जांच करने की योजना बनाई गई है।

बुजुर्गों को सताना भी हिंसा के बराबर: कोर्ट

मुंबई, सटी सिविल कोर्ट ने माना है कि शारीरिक रूप से किसी के साथ मारपीट करना ही हिंसा नहीं है, बल्कि इसका व्यापक अर्थ है। उसका कहना है कि किसी बुजुर्ग को तंग करके अपने ही घर में से बाहर निकालने की गतिविधि भी हिंसा ही है। कोर्ट का मानना है कि किसी को भावनाओं के आधार पर ठेस पहुंचाना या किसी को उसके ही घर से बाहर निकालना भावनात्मक गाली है और वह एक घरेलू हिंसा मानी जा सकती है। कोर्ट के इस फैसले का समाज पर व्यापक असर होगा और बहुत से विवाद इसी नजीर से निपट सकेंगे। एक बुजुर्ग महिला को घर से न निकलने का फैसला मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने उसके पक्ष में दिया था, लेकिन इस महिला के ससुराल वालों ने इस फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट में अपील की। उनका दावा है कि यह आर्डर कानून की दृष्टि से ठीक नहीं है और कोर्ट ने घरेलू हिंसा के मूलभूत आधार को नजरअंदाज किया है। उनका यह भी दावा है कि क्योंकि विवाद की जड़ कमरे का उपयोग करने या रहने से संबंधित है, इसलिए यह मामला सिविल कोर्ट के कार्यक्षेत्र का है। उनकी अपील थी कि मैजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए उनकी अपील की सुनवाई की जाए। बुजुर्ग महिला ने घरेलू हिंसा का केस 2015 में दायर किया था। यह परिवार वर्ली की एक चाल में रहता है। महिला का कहना है कि वह अपने पति की मौत के बाद एक कमरे के घर में रहती है, लेकिन अपनी सास की मौत के बाद उसे कठिनाइयां हो रही हैं। उसकी मौत के बाद उसे रिश्तेदारों और उनके परिवार ने शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। महिला का कहना है कि वे उसे और उसके बच्चों को इस घर से निकालना चाहते हैं और इसके लिए वे उसे पानी का इस्तेमाल भी नहीं करने देते। उसका कहना था कि पहले इस घर का हक उसके पति के पास था जो बाद में उसकी सास के पास चला गया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मीरा-भायंदर हलचल

एमबीएमसी चुनाव-2017

जनता की एक ही पुकार सलमान ही हमारा दावेदार

वार्ड क्रमांक 9 के लोकप्रिय उम्मीदवार

जितेंद्र शर्मा

मीरा-भायंदर। 20 अगस्त को मीरा-भायंदर महानगरपालिका का चुनाव होना है जिसके तहत सभी इच्छुक खुद को हाईकमान के सामने सबसे मजबूत और लोकप्रिय दिखाने में जुटे हैं, लेकिन ठीक इसके विपरीत युवा समाजसेवक सलमान हाशमी के लिए वार्ड क्रमांक 9 की जनता उन्हें अपने वार्ड से मनपा चुनाव लड़ता देखना चाहती है। दरअसल युवा समाजसेवी सलमान हाशमी पिछले कई वर्षों से समाज की सेवा करते आए हैं और हमेशा जनता लिए तत्पर रहते हैं जिसे देख वार्ड क्रमांक 9 की जनता की एक ही पुकार सलमान ही हमारा दावेदार।

अब तक किये गए सामाजिक कार्य

1-मेडिकल कैम्प (पूरी बॉडी की जांच और दवा) ।
2-आंख की जांच और मुफ्त में चश्मा वितरण।
3-राशन वितरण।
4-छत्री वितरण ।
5-कॉपी-किताब वितरण ।
6-बुजुर्गों और बेसहाराओं के लिए आश्रम की मांग ।
7-युवाओं को योग्य नौकरी दिलवाना। (युवा रोजगार मेला)
8-बच्चों के लिए मुफ्त में ट्यूशन की व्यवस्था।
9-मनपा के पीछे लगकर मीरा-भायंदर में पानी और बिजली की व्यवस्था ठीक करवाना।
10-सड़क और गटर के दुरुस्तीकरण के नाम पर हुए घोटाले की जांच करने के लिए मनपा को मजबूर करना।
11-जाति और धर्म से उठकर जनता के लिए काम करना।

सबकी पसंद सलमान

युवा समाजसेवक सलमान हाशमी द्वारा समाज के लिए किये कार्यों से सभी मुरीद हैं। जिसे देखने के बाद ही शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक ने सलमान को शिवसेना में प्रवेश करने का न्योता दिया था और पूरे गर्मजोशी से सलमान का स्वागत किया और उन्हें गले से भी लगाया। पूर्व विधायक और मीरा-भायंदर के शेठ कहे जाने वाले गिल्बर्ट मेंडोसा ने सलमान की तारीफ में कहा कि सलमान आप जिस तरह जनता की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहते हैं उसी तरह हमेशा तैयार और तत्पर रहना, क्योंकि जनता की सेवा ही तुम्हारी असली ताकत है। वार्ड क्रमांक 9 से चुनाव लड़ने के बारे में युवा सलमान हाशमी से पूछा गया कि क्या आप वार्ड क्रमांक 9 से चुनाव लड़ना चाहते हैं क्योंकि यहां की जनता आप को ही यहां का अगला नगरसेवक बनता देखना चाहती है। जिस पर सलमान हाशमी का कहना था कि उन्हें शिवसेना हाईकमान की तरफ से जो भी आदेश मिलेगा वो उसे मानने को तैयार हैं, क्योंकि शिवसेना पार्टी जो करेगी वो अच्छा ही करेगी और वो उसे मानने के लिए हम तैयार हैं।

जेल की दीवार फांद फरार हो गए दो कैदी

ठाणे। कल्याण स्थित आधारवाडी जेल से रविवार को दो कैदी फरार हो गए थे। इन कैदियों ने एकदम फिल्मी अंदाज में जेल में लगे लगे सीसीटीवी कैमरों के वायर के सहारे जेल की दीवार फांदी और आसानी से रफूचक्कर हो गए। अब इनके जेल से फरार होने का वीडियो सामने आया है, इसमें ये जेल से फरार होते देखे जा सकते हैं। फिलहाल जेल प्रशासन ने इस मामले में जांच का आदेश दे दिया है। खडकपडा थाने के इंस्पेक्टर बी ए कदम ने बताया कि कल्याण के आधावरवाड़ी जेल में बंद कैदी दाविंद मुरूगेसन देवेंद्रन (20) और मणिकंदन सेल्वाराज नादर (20) जेल की दीवार पर चढ़ गए और रविवार पौने सात बजे सुबह फरार हो गए। उन्होंने बताया कि देवेंद्रन को आईपीसी की धारा 397 (लूट, डकैत, जान को नुकसान या गंभीर चोट पहुंचाने का प्रयास) के तहत गिरफ्तार किया गया था। नादर को आईपीसी की धारा 307 (हत्या की कोशिश) के तहत जिले में मनपडा से गिरफ्तार किया गया था।

ऐसे जेल से फरार हुए दोनों : जांच में सामने आया है कि, दोनों रोज की तरह सुबह उठे और अपने बैरेक में बैठे रहे। इसके बाद 6.30 बजे गार्ड की नजर चुराकर दोनों जेल की दीवार के पास पहुंचे। इसके बाद इन्होंने सीसीटीवी कैमरे के लिए लगाया वायर तोड़ा और उसके सहारे दीवार पर चढ़ गए और दीवार के दूसरी ओर कूदे फरार हो गए। फिलहाल दोनों कैदियों की तलाश की जा रही है। इस घटना ने जेल की सुरक्षा को लेकर सवालियां निशान लगा दिए हैं। पुलिस ने इनकी फोटोज जारी कर लोगों से इन्हें देखते ही 100 नंबर पर खबर करने की अपील की है।

सड़क पर जा रही कार पर गिरा पेड़

मुंबई। पिछले सप्ताह दूरदर्शन की पूर्व महिला एंकर के ऊपर एक नारियल का पेड़ गिर पड़ा था। जिसके बाद उनकी इलाज एक दौरान मौत हो गई थी। इस घटना के बाद बीएमसी के काम के तरीके पर सवालिया निशान लग रहे थे। इस घटना को ज्यादा दिन नहीं बिता था कि सोमवार सुबह ऐसी ही एक और घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। शहर के परेल इलाके में एक कार पर एक पेड़ गिर पड़ा। इस दुर्घटना में कार में बैठे दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक, मुंबई के रहने वाले मनोहर कुचराकर(75) और विद्यावासनी मिश्रा (52) सोमवार सुबह 10:30 बजे एक कार में बैठ कहीं जा रहे थे। तभी अचानक उनकी कार पर एक बड़ा पेड़ गिर पड़ा। इस दुर्घटना में मनोहर और विद्यावासनी को गंभीर चोट लगी है। इस हादसे में दो स्कूटी और एक कार बुरी तरह से डैमेज हुई हैं। घायलों को पास के हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया है। इस दुर्घटना के बाद सड़क पर लंबा जाम लग गया। बता दें कि गुरवार से अब तक मुंबई में पेड़ गिरने से कुल तीन हादसे हो चुके हैं।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सूचित किया जाता है कि **'दैनिक मुंबई हलचल'** के नाम पर अगर कोई भी व्यक्ति आपसे किसी भी तरह का 'व्यवहार' करता है तो इसकी पुष्टि के लिए इस नंबर पर संपर्क कर लें।
(9619102478)

आवश्यक है

'दैनिक मुंबई हलचल' अखबार के लिए दक्षिण मध्य मुंबई, बांद्रा, कुर्ला, गोवंडी, अंधेरी, मालाड, दहिसर, ठाणे, मीरा रोड इत्यादि अनेक क्षेत्रों से अंशकालीन संवाददाताओं की आवश्यकता है तुरतं संपर्क करें कॉल करें समय (3 से 6 बजे)
(9619102478)

गड्ढों की वजह से हुई लेडी बाइकर की डेथ

मुंबई। यहां की मशहूर बाइकर जागृति होगले की रविवार को एक ट्रक से टक्कर में मौत हो गई। पुलिस ने जागृति के खिलाफ ही लापरवाही से गाड़ी चलाने का केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि ओवरटेक करने की कोशिश में जागृति पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गई थीं। बहरहाल, पुलिस के इस रवैये की सोशल मीडिया पर आलोचना की जा रही है। असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर जयप्रकाश गुटे का कहना है कि मुंबई से 100 किलोमीटर दूर विती गांव के पास जवाहर-दहनु हाईवे पर यह एक्सीडेंट हुआ। जानकारी के मुताबिक, जागृति फ्रेंड के साथ बांद्रा से जवाहर जा रही थीं। रविवार को मुंबई में काफी तेज बारिश हो रही थी। जागृति को सड़क के गड्ढे दिखाई नहीं दिए। वे स्पीड में ट्रक क्रॉस करना चाहती थी। इसी कोशिश में वो ट्रक से टकरा गईं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

संसद को नसीहत

संसद के सेंट्रल हाल में अपने विदाई समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने संसद में गंभीर चर्चा के अभाव पर जो कुछ कहा उस पर सभी राजनीतिक दलों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह विचार इसलिए आवश्यक है, क्योंकि हर कोई यह महसूस कर रहा है कि संसद में अब वैसी चर्चा नहीं होती जैसी आवश्यक है और जिसके लिए संसद जानी जाती रही है। हाल के समय में देखें तो पिछले तीन वर्षों में मुश्किल से दो-तीन अवसर ऐसे आए हैं जब संसद के दोनों सदनों में किसी मसले पर गंभीर और सार्थक चर्चा हुई हो। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो जीएसटी विधेयक के दौरान हुई चर्चा ही ऐसी थी जिसे सकारात्मक और संसद की गरिमा के अनुरूप कहा जा सकता है। यह पहली बार नहीं है जब प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति के रूप में संसद में चर्चा के गिरते स्तर पर चिंता जताई हो। वह यह काम राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बाद से ही करते चले आ रहे हैं। कई बार तो उन्होंने राष्ट्र के नाम संदेश में भी इसका जिक्र किया कि संसद में हंगामा कुछ अधिक होने लगा है। इतना ही नहीं वह गंभीर बहस की महत्ता को भी रेखांकित करते रहे हैं। उन्होंने समय-समय पर सांसदों को यह भी याद दिलाया है कि असहमति के नाम पर गतिरोध नहीं पैदा किया जाना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि राजनीतिक दलों ने इन सब बातों पर सही तरीके से चिंतन-मनन किया है। विडंबना यह है कि सत्तापक्ष में रहते समय राजनीतिक दल विपक्ष से जैसे व्यवहार की अपेक्षा करते हैं, विपक्ष में बैठने के दौरान वैसा ही करने से इन्कार करते हैं। इसमें कहीं कोई संशय नहीं कि जनता की आकांक्षाओं का सर्वोच्च मंच अर्थात संसद अब हंगामे और हो-हल्ले के लिए ही अधिक जानी जाती है। कई सत्र ऐसे रहे हैं जिनमें ना के बराबर काम हुआ। सबसे विचित्र यह रहा कि जिन मसलों की आड़ में संसद के किसी सत्र को बाधित किया गया उनकी सुधि अगले सत्र में ली ही नहीं गई। चूंकि ऐसे कई प्रकरण देखने को मिल चुके हैं इसलिए इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि राजनीतिक दल अपने संसदीय आचरण से संसद की गरिमा की परवाह नहीं कर रहे हैं। संसद में बहस की गंभीरता को बनाए रखने के लिए दोनों ही पक्षों को सक्रिय होना होगा। उन्हें उन कारणों पर गौर करना होगा जिनके चलते संसद सुचारू रूप से नहीं चल पाती। निःसंदेह बात तब बनेगी जब इन कारणों का निवारण किया जाएगा।

सुविचार

दरिया ने झरने से पूछा
तुझे समंदर नहीं बनना क्या ?
झरने ने बड़ी नम्रता से कहा,
बड़ा बनकर खारा हो जाने से बेहतर है
की मैं छोटा रहकर मीठा ही रहूँ !!

चीन को परखने में वही पुरानी भूल

डोकलाम में भारत-चीन के बीच जारी गतिरोध को लेकर चीन के रुख-रवैये पर पहले ही बहुत कुछ लिखा जा चुका है। सभी प्रकार के विश्लेषण शी चिनफिंग के हाथों में केंद्रित होती चीनी सत्ता की ताकत और आगामी कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस सम्मेलन, चीनी मीडिया द्वारा पैदा किए जा रहे युद्धोन्माद, बेल्ट रोड इनिशिएटिव का बहिष्कार करने के लिए नई दिल्ली के प्रति बीजिंग द्वारा नाखुशी जाहिर करने और स्वयं को दक्षिण एशिया का सर्वेसर्वा घोषित करने के आसपास घूम रहे हैं। हालांकि ये सभी कारक चीन के मौजूदा आचरण को समझने में कुछ मददगार हो सकते हैं, लेकिन वास्तविक कारक इनसे अलग है। दरअसल चीन की बढ़ती ताकत ही उसे अपने हितों-स्वार्थों की पूर्ति को लेकर अपने विचार बदलने पर मजबूर कर रही है जो कि अब सबसे ज्यादा विस्तारवादी दौर में है।

भारत के साथ उसके मौजूदा विवाद के अतिरिक्त हाल के दिनों में उसके रवैये पर एक नजर डालते हैं। बीते हफ्ते एक सैन्य अभ्यास के दौरान दो जापानी द्वीपों के बीच में स्थित मियाको जलडमरूमध्य के ऊपर से अपने छह युद्धक विमान उड़ाने के बाद चीन ने जापान से कहा कि ह्यअब इसकी आदत डाल लोह्ण। ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्रालय ने भी शिकायत की कि गत दिनों चीनी बमवर्षक विमान उसके वायु रक्षा क्षेत्र के करीब से गुजरे और चीन ने अपने पहले विदेशी सैन्य अड्डे के निर्माण के मकसद से अपनी सेना की एक टुकड़ी को जिबूती रवाना किया। इसके साथ ही दुनिया ने लोकतंत्र समर्थक और चीन की वर्तमान शासन प्रणाली के विरोधी चीन के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ली शाओबो के निधन पर मौन श्रद्धांजलि दी, जबकि चीन ने यह कहते हुए इससे मुंह फेर लिया कि उनके जैसे व्यक्ति को पुरस्कार देना उस अवार्ड के मूल मकसद की अवहेलना है। यह शांति पुरस्कार की ईश-निंदा की तरह है।

ये सभी घटनाएं बीते कुछ हफ्तों में घटी हैं। इन दिनों चीन हर जगह है, एक ही समय में वह विश्व व्यवस्था को चुनौती भी दे रहा है और साथ ही ट्रंप के काल में विश्व आर्थिक व्यवस्था का गारंटर बनने की भी कोशिश कर रहा है। इस साल की शुरूआत में दावोस में विश्व आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए शी चिनफिंग ने ग्लोबलाइजेशन के समर्थन में मजबूत दलील दी और मुक्त व्यापार और खुले बाजार के चैंपियन के रूप में अमेरिका की परंपरागत भूमिका को हथियाने के प्रयास में बीजिंग की साख को रेखांकित किया, लेकिन जो लोग भी चीन को नजदीक से जानते-समझते होंगे उन्हें यह बात पूरी तरह स्पष्ट होगी कि बाजार अर्थव्यवस्था के एक आदर्श के रूप में उसकी साख बहुत ही कमजोर है, क्योंकि एक देश के रूप में उसे भी अमेरिका की अगुआई वाली विश्व आर्थिक व्यवस्था से ही बड़े पैमाने पर लाभ हासिल हुआ है। व्यापार असंतुलन को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा के उतार-चढ़ाव, बंद पूंजी बाजार और सूक्ष्म गैर तटकर बाधाओं के इस्तेमाल का चीनी इतिहास उसे विश्व अर्थव्यवस्था का आदर्श बनाएगा, कहना काफी मुश्किल है। फिर भी दुनिया चीन से व्यापारिक संबंध रखने की इच्छा व्यक्त कर रही है तो इसका कारण यही है कि उसकी बढ़ती ताकत से आकर्षित देश उससे जुड़े रहना चाहते हैं। हम चीन की बातों पर इसलिए भरोसा करते हैं, क्योंकि वे बहुत ही आश्वस्तकारी होती हैं, वह सारे मुश्किल सवालों को किसी और दिन या कहें कि भविष्य के लिए टाल देता है और आज के लिए सिर्फ अच्छी बातों पर चर्चा करता है। इसी वजह से हमें लगता है कि जब तक चीन का विकास हो रहा है तब तक दुनिया शांतिपूर्वक रहे, क्योंकि आने वाले दिनों में

वह विश्व व्यवस्था की रक्षा करेगा।

भारतीय नीति-निमार्ता भी बीते दो दशकों से इस खोखले सोच का हिस्सा बने हुए हैं। वे इस खामख्याली में जीते रहे हैं कि चीन और भारत एक ही गुट के सदस्य हैं और एक-दूसरे से नजदीकी रिश्ते होने से बहुत हद तक अपनी खुली शत्रुता से पार पा जाएंगे। वे अपने चीनी समकक्षों के इस आश्वासन पर भी आंख मूंदकर भरोसा करते रहे कि भले ही दोनों के बीच कई मुद्दों पर मतभेद और विवाद हैं, लेकिन दोनों के एक साथ उत्थान की बहुत संभावनाएं भी हैं। इसके बाद ही ब्रिक्स का शब्दजाल सामने आया था। इसमें शामिल देशों के लिए निवेश बैंकिंग जैसे आकर्षक जुमले गढ़े गए और इसे भू-राजनीतिक समूह में तब्दील कर दिया गया। नई दिल्ली चीन के झांसे में आकर इसमें बिना कुछ सोचे-समझे शामिल हो गई। दो दशकों से चीन की ताकत बहुत बढ़ी है। इसके साथ उसके हित और स्वार्थ भी बढ़ते गए हैं। बहरहाल दक्षिण एशिया और हिंद महासागर के बड़े क्षेत्र में वह अपना प्रभाव बढ़ाता गया और दूसरी तरफ भारत मुंह ताकत रहा। हमारे चीनी विशेषज्ञों द्वारा हमें आश्वासन दिया जाता रहा कि चीन के पास फिलहाल कोई विस्तारवादी नीति नहीं है, लिहाजा हम अपनी सैन्य और लॉजिस्टिक तैयारियों को नजरअंदाज करते रहे। यहां तक कि हमने सीमाई इलाकों में लचर बुनियादी ढांचे की समस्या की भी अनदेखी की। कुल मिलाकर इसके पीछे यह कोरी धारणा काम कर रही थी कि जब चीन हमसे किसी प्रकार का युद्ध चाहता ही नहीं है तो फिर हमें अपनी रक्षा तैयारियों को पुख्ता करने की क्या जरूरत है?

इसी तरह चीन हमारे दरवाजे पर पहुंच गया, जबकि भारतीय नीति-निमार्ता चीनी संवेदनशीलता को शांत करने में लगे रहे। चीन कहीं नाराज न हो जाए, लिहाजा हम सार्वजनिक रूप से दलाई लामा से नहीं मिल सकते थे। क्षेत्र में हम समान सोच वाले देशों के साथ साझा सैन्य अभ्यास नहीं कर सकते थे, क्योंकि हमें इस बात की चिंता थी कि कहीं चीन इससे बुरा न मान जाए। हम अमेरिका के साथ जरूरी समझौते भी नहीं कर सकते थे, क्योंकि इससे हमें अमेरिकी कैंप का सदस्य माने जाने का डर था। हमारे लिए यह बात मायने नहीं रह गई थी कि इससे हिंद महासागर में चीनी पनडुब्बियों पर नजर रखने की हमारी क्षमता सीमित हो जाएगी और वास्तव में इन सबकी बदौलत हम गुटनिरपेक्षता की बात करते रहेंगे, क्योंकि चीन द्वारा निर्मित विश्व व्यवस्था में हमारे लिए अपने हितों को सुरक्षित रखने का यही बेहतर तरीका शेष रह जाएगा।

यहां तक कि आज भी भारतीय नीति-निमार्ताओं को सलाह दी जा रही है कि भारत की अपनी गलती के कारण ही चीनी सेना भूटान में दखलदे रही है और भारत को धमका रही है, क्योंकि भारत अमेरिका से रिश्तों को प्रगाढ़ बनाने और अपने हितों की पूर्ति की कोशिश कर रहा है। यह निहायत ही बेहूदी बात है जिस पर ध्यान दिए बिना उसे खारिज कर दिया जाना चाहिए। चीन की बढ़ती हठधर्मिता तेजी से बढ़ती उसकी ताकत और स्वार्थ के आकलन से जुड़ा है। भारत के व्यवहार से इसका कुछ लेना-देना नहीं है। पूर्व में हमने चीन को समझने में भयंकर भूल की है और यदि हम उसे आगे भी समझने में इसी तरह भूल करते रहे तो यह काफी खतरनाक साबित होगा। चीन विस्तारवादी स्वभाव वाला देश है। पूरी दुनिया में अपनी आर्थिक और कूटनीतिक उपस्थिति दर्ज कराने के बाद वह अब सैन्य मौजूदगी भी बढ़ाने में लगा है। यही उसकी असली मंशा है। उसकी पावर पॉलिटिक्स को हमें समझना होगा और युद्धरत होने के बजाय हमें अपनी रक्षा तैयारियों को पूरी तरह चाकचौबंद करना होगा।

ममता को झटका

तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि 2019 में केंद्र की सत्ता से भाजपा की विदाई होगी। उन्होंने कोलकाता में 21 जुलाई की शहीद दिवस रैली से भाजपा हटाओ का नारा दिया है। 9 अगस्त से 30 अगस्त तक वह लगातार भाजपा हटाओ अभियान चलाएंगी। ममता ने तर्क दिया है कि राष्ट्रपति चुनाव में कांग्रेस समेत 18 विपक्षी दल एक मंच पर आ चुके हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में और दो विपक्षी दल उनके साथ आएंगे। 2019 का चुनाव भाजपा के लिए चुनौती होगी। उसे केंद्र के सत्ता से बेदखल होना होगा। हालांकि ममता ने यह नहीं कहा है कि वह विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करेंगी लेकिन उन्होंने इतना जरूर कहा है कि भाजपा के विरुद्ध जो लड़ेगा उसका वह साथ देंगी। राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी तो कांग्रेस ही है। लेकिन भाजपा विरोधी लड़ाई में जिस कांग्रेस को ममता ने साथ देने की घोषणा की है उसी से राज्य में उन्हें पहला झटका लगा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व सांसद अधीररंजन चौधरी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने की संभावना से इन्कार किया है।

अधीर का कहना है कि बंगाल में भाजपा तृणमूल को घेर रही है। ममता अब भाजपा से डरी हुई हैं। इसलिए वह चाहती हैं कि कांग्रेस उन्हें बचा ले। जब कांग्रेस केंद्र की सत्ता में थी तो ममता ने कांग्रेस मुक्त भारत की मांग की और अब वह भाजपा मुक्त भारत के लिए सबको एकजुट करने में लगी हैं। अधीर का कहना है कि जहां तक वह जानते हैं कि सोनिया जी उन्हें बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को सहयोग करने को नहीं कहेंगी। राज्य में तृणमूल कांग्रेस के साथ उनकी लड़ाई जारी रहेगी। ममता ने सोनिया, नीतीश, लालू और नवीन पटनायक को भाजपा के विरुद्ध एकजुट करने की बात कही है।

लेकिन दुर्भाग्य है कि भाजपा विरोधी लड़ाई में उन्हें पश्चिम बंगाल में ही समर्थन मिलने की संभावना क्षीण है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर चौधरी ने तृणमूल के साथ किसी तरह के तालमेल की संभावना से इन्कार कर दिया है। वामपंथी दल सांप्रदायिक ताकतों के विरुद्ध अपने ढंग से लड़ते हैं। ममता जहां रहेंगी वहां वामपंथी दलों के रहने की संभावना नहीं के बराबर है। ऐसे में भाजपा विरोधी लड़ाई में ममता को किसी बड़ी पार्टी का समर्थन मिलेगा इसमें संदेह है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

छत फाड़ शॉप में दाखिल हुआ शख्स

फिल्मी अंदाज में दी चोरी को अंजाम

मुंबई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मोबाइल फोन शॉप में बड़ी चोरी की वारदात हुई है। यहां एक चोर छत फाड़कर शॉप में घुसा और 3 लाख के मोबाइल फोन लेकर रफूचक्कर हो गया। इस पूरी वारदात का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें चोर आराम से चोरी करता हुआ नजर आ रहा है। यह वीडियो हॉलीवुड की एक फिल्म में हुई चोरी की वारदात की याद दिलाता है। पालघर के वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर संजय हजारे के मुताबिक, पालघर जिले के नालासोपारा इलाके के पेल्हार फाटा में अंश शर्मा की शॉप में गुरुवार रात चोरी हुई है। अंश की शॉप में मोबाइल फोन बेचने और मनी ट्रांसफर का काम होता है। सीसीटीवी फुटेज में एक चोर शॉप में छत फाड़ कर घुसता और मोबाइल फोन उड़ाता हुआ नजर आ रहा है। शुक्रवार की सुबह अंश जब शॉप पहुंचे तो उन्हें बाहर से दुकान एक दम ठीक नजर आई। लेकिन जैसे ही उन्होंने अंदर देखा तो आधी से ज्यादा दुकान खाली हो चुकी थी। पुलिस स्टेशन में दर्ज करवाई गई रिपोर्ट के मुताबिक शॉप से 3 लाख के मोबाइल फोन और कुछ कैश चोरी हुए हैं। पुलिस अब इस वीडियो के सहारे आरोपी की तलाश कर रही है। हजारे ने बताया कि आरोपी का चेहरा कपड़े से ढका हुआ था इसलिए उसे पहचानने में दिक्कत हो रही है।

ढाई साल पहले ज्वाइन की थी नेशनल डिफेंस अकादमी

पंखे से लटकती मिली बॉडी

पुणे। नेशनल डिफेन्स अकादमी (एनडीए) में नेवी की ट्रेनिंग ले रहे 20 वर्षीय स्टूडेंट ने रविवार शाम हॉस्टेल के भीतर फांसी लगाकर सुसाइड की। उसकी सुसाइड की वजह के बारे में पता नहीं चला है। मामले की जांच की जा रही है। उसके पास से कोई सुसाइड नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक मूल रुप से छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर का रहने वाला आलेख जायसवाल (20) ढाई साल से नेवी की ट्रेनिंग ले रहा था। रविवार शाम 5.15 बजे

उसने एनडीए के हॉस्टेल के अपने कमरे में फांसी लगाकर सुसाइड की।

दूसरे कमरे में रहने वाले एक स्टूडेंट्स को आलेख की बॉडी पंखे से लटकती दिखी तो उसने एनडीए के अधिकारियों को इस बारे में जानकारी दी। आलेख को तुरंत मिलिटरी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया लेकिन वहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। उसने सुसाइड क्यों की इसका कारण पता नहीं चला है, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कैमरे में कैद हुआ नदी में बहता हुआ युवक, 6 दिन बाद भी नहीं मिला शव

ठाणे। भिवंडी के पास 16 जुलाई को कामवारी नदी में ऑटो रिक्शा धो रहे 28 वर्षीय युवक पैर फिसलने से बह गया। उसे स्थानीय गोताखोरों ने खोजने की काफी कोशिश की लेकिन वह 6 दिन बाद भी उसकी लाश नहीं मिली। नदी में डूबते युवक का वीडियो एक शख्स ने बनाया था वह अब वायरल हो चुका है। फिरोज बरकत शेख (28) अपना ऑटो रिक्शा कामवारी नदी में 16 जुलाई को धो रहा था। अचानक फिरोज का पैर फिसल गया और नदी में बह गया।

डूबते फिरोज को देख वहां पर मौजूद पांच युवक उसे बचाने पानी में कूद पड़े लेकिन वह उसे बचा नहीं पाए। उन्होंने तुरंत इस बारे में दमकल को जानकारी दी। दमकल ऑफिसर डी. एन. सालवी के मुताबिक कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर उसकी तलाश की, 6 दिन के बाद भी उसकी डेड बॉडी नहीं मिली है। वहीं अब डूबते फिरोज का वीडियो एक शख्स अपने कैमरे में कैद कर लिया था वह अब वायरल हो रहा है। पुलिस ने वीडियों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

पुलिस और मनपा के भ्रष्ट अधिकारियों की शह पर चल रहा है...

जहां शराबियों की धमाचौकडी जारी रहती है जिससे पूजा के लिए मंदिर आये भक्तों और श्मशान में चिता जलाने आये लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पडता है। गार्डेन बीयर बार से परेशान लोगों ने इसके खिलाफ हिंदू संगठनों से शिकायतें की जिसकी काफी प्रतिक्रियाएं मिली हैं। सरकारी नियम के अनुसार किसी भी शिक्षण संस्थान, धार्मिक स्थल और श्मशान भूमि आदि के 100 मीटर के दायरे से दूर रखने पर ही बीयर बनाने का लाइसेंस दिया जाता है। लेकिन मालाड पश्चिम में मालाड पुलिस स्टेशन के पास स्थित गार्डेन बीयर बार को इस नियम कानून को नजरअंदाज करके लाइसेंस दिया गया जो सरासर किसी बडे भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करता है। इस संबंध में जब एक हिंदू संस्था के सदस्य ने बार मैनेजर से जानकारी ली उसने हंसकर कहा कि मंदिर में पूजा करने और चिता जलाने के बाद लोग सीधा हमारे यहां आते हैं। इस संबंध में विश्व हिंदू परिषद मार्वे के जिला अध्यक्ष हरीश जालान ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि मनपा और पुलिस की सांठगांठ से गार्डेन बीयर बार चल रहा है जो समाज विरोधी कार्य है इस पर कार्रवाई होनी चाहिए। संकल्प सिद्धि संस्थान के संस्थापक पंडित अनिल तिवारी ने कहा है कि मंदिर और श्मशान के पास गार्डेन बीयर बार को लाइसेंस मिलना खुलेआम सरकारी नियम का उल्लघंन है और हिंदुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड है। नरेंद्र मोदी विचार मंच के मुंबई उपाध्यक्ष ब्रिजेश सिंह ने कहा है कि गार्डेन बीयर बार के खिलाफ जल्द ही मुहिम शुरु की जायेगी और सरकार से इस बारे में सफाई मांगी जायेगी। इस बात से हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को काफी ठेस पहुंची है और इससे किसी अनहोनी की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। लोगों ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस, बीएमसी कमिश्नर अजोय मेहता और पुलिस कमिश्नर दत्तात्रय पडसलगिकर से गार्डेन बार पर अविलंब कार्रवाई करने की मांग की है। लेकिन अभी तक उनकी मांग पूरी नहीं की जा सकी जिससे इनमें भारी आक्रोश है। सूत्रों ने बताया कि लायसेंस पाने के लिए गार्डेन बार के मालिक ने पहले स्थानीय बीएमसी और पुलिस अधिकारियों को रिश्वत में मोटी रकम दी है। इसके बाद ही गार्डेन बार गुलजार हुआ और मंदिर व श्मशान भूमि के 100 मीटर के दायरे में आने के बावजूद यह आजतक चल रहा है।

'इंदु सरकार' के...

मधुर भंडारकर ने ट्वीट करके ये जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'सीबीएफसी की रिवाइजिंग कमेटी का शुक्रिया। इंदु सरकार को कुछ कट के साथ क्लीयर कर दिया गया है, 28 जुलाई को सिनेमाघर में देखिएगा। हाल ही में संजय गांधी को अपना पिता कहने वाली प्रिया सिंह पॉल ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इस फिल्म की रिलीज पर रोक की अपील की है। प्रिया का कहना है कि फिल्म के ट्रेलर में संजय गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की गलत इमेज को दिखाया गया है। सेंसर बोर्ड ने 4 कट के बाद फिल्म को यू/ए सर्टिफिकेट दे दिया है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने सीबीएफसी चीफ पहलाज निहालानी को चिट्ठी लिख सेंसर होने से पहले फिल्म को देखने की इच्छा जताई थी। गौरतलब है कि फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के बाद से ही फिल्म को देशभर में काफी विरोध झेलना पड़ रहा है। ये विरोध इतना ज्यादा है कि लीगल नोटिस से लेकर, पुतला फूंकने तक मधुर भंडारकर को काफी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि 16 जुलाई को फिल्म की प्रमोशन के लिए पूरी स्टारकास्ट पुणे पहुंची थी लेकिन स्टारकास्ट के वहां पहुंचने से पहले ही कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ता वहां पहुंच गए। वह मधुर भंडारकर से मिलने की बात करने लगे जिसके बाद सुरक्षा कारणों से प्रेस कॉन्फ्रेंस को टाल दिया गया।

इमरजेंसी के दौर को दिखाती मधुर भंडारकर की फिल्म 'इंदु सरकार' को लेकर विवाद बहुत बढ़ गया है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि इस फिल्म के जरिए कांग्रेस पार्टी की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। हालांकि फिल्म को बीजेपी का सपोर्ट मिल रहा है। इसी मसले पर सोमवार को कांग्रेस ने पूछा कि क्या बीजेपी इसी तरह सपोर्ट करेगी अगर 2002 में हुए गुजरात दंगे में प्रधानमंत्री मोदी के कथित रोल पर फिल्म बनाई जाएगी। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा-अगर कल मैं 2002 के गुजरात दंगों ने प्रधानमंत्री की भूमिका पर फिल्म बनाऊं या शाहबुद्दीन पर बनाऊं, तो क्या मुझे बीजेपी से इसी तरह का सपोर्ट मिलेगा? तब क्या आरएसएस और एबीवीपी के गुंडे ऐसी फिल्म को रिलीज होने देंगे? क्या सेंसर बोर्ड इसे पास करेगी? अगर वो फिल्म बनने देंगे तो हमें ऐसी फिल्म जल्द बनानी चाहिए। बता दें कि 'इंदु सरकार' में इंदिरा गांधी, संजय गांधी और वरिष्ठ कांग्रेस के नेताओं को जिस तरह से दिखाया गया है, कांग्रेस उसका विरोध कर रही है। संजय गांधी को अपना पिता कहने वाली प्रिया सिंह पॉल ने बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इस फिल्म की रिलीज पर रोक की अपील की है। प्रिया का कहना है कि फिल्म के ट्रेलर में संजय गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरास गांधी की गलत इमेज को दिखाया गया है।

पंढेर और कोली को...

बताते चलें कि साल 2003 में सुरेंद्र कोली अपने मालिक मोनिंदर सिंह पंढेर के संपर्क में आया था। वह नोएडा सेक्टर-31 में स्थित उसकी कोठी डी-5 में काम करता था। 2004 में पंढेर का परिवार पंजाब चला गया। इसके बाद वह और कोली साथ में कोठी में रहने लगे। इस बीच पंढेर की कोठी में अक्सर कॉलगर्ल आया करती थीं। इस दौरान सुरेंद्र कोली कोठी के गेट पर नजर रखता था। पंढेर का असर कोली पर भी पड़ना शुरू हो गया। उसके अंदर भी इच्छाएं जगने लगी। वह भी शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करता, लेकिन दुर्बलता की वजह से ऐसा नहीं कर पाता। इस वजह से उसके अंदर विकार आने लगा। वह कोठी से गुजरने वाले बच्चों का शिकार करने लगा। बताया जाता है कि वह लालच देकर छोटी-छोटी बच्चियों से लेकर महिलाओं तक को कोठी में बुलाता। उनके साथ रेप करने की कोशिश करता। उनकी हत्या करके उनसे शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करता। शव के टुकड़े-टुकड़े करके घर में फेंक देता। उनका सिर सजा कर रखता था। उसके घर से निकले वाली नाली खून से लाल रहती। हालांकि, निठारी गांव के लोगों का कहना है कि पंढेर की कोठी से शरीर के अंगों का व्यापार होता था। उनका कहना है कि वे बच्चों को मारकर उनके अंग निकाल लेते थे। उसे विदेशों में बेंचा जाता था। इस कांड में सजा पाया सुरेंद्र कोली इस समय जेल में है। उसको छह बार पहले ही सजा-ए-मौत मिल चुकी है, लेकिन पंढेर जमानत पर है।

भारत को चीन की धमकी

पहाड़ हिलाया जा सकता है, चीनी सेना को नहीं

पिछले कुछ समय से सिक्किम सेक्टर में डोकलाम क्षेत्र को लेकर भारत और चीन के बीच तनातनी जारी है। इस विवाद के दौरान दोनों देशों की ओर से आए दिन कुछ न कुछ बयानबाजी होती रहती है। पहले चीनी मीडिया और अब चीन के रक्षा मंत्रालय की ओर से एक बयानबाजी की गई है, जिसमें खुलेआम भारत को चेतावनी दी गई है। चीन ने चेतावनी देते हुए कहा है कि भारत डोकलाम से अपनी सेना पीछे हटाए नहीं तो हम अपनी सेना बढ़ा देंगे।

पीछे हटे भारतः चीन

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने भारत चीन के बीच डोकलाम में चल रहे विवाद को लेकर मीडिया को दिए आधिकारिक बयान में कहा कि भारत किसी भ्रम में ना रहे और अपनी सेना को जल्द पीछे हटा ले। कियान ने यह भी कहा कि यही इस समस्या के समाधान के लिए चीन की पहली शर्त है।

चीनी सेना को नहीं हिलाया जा सकता

वू कियान ने कहा कि भारत किसी भी तरह के भ्रम में न रहें उन्होंने कहा कि पहाड़ को हिलाया जा सकता है, लेकिन चीनी सेना को नहीं हिलाया जा सकता। वू ने कहा कि भारत अपनी सेना तुरंत पीछे हटा ले। पीएलए ने यह भी कहा कि इस घटना के जवाब में एक 'आपातकालीन प्रतिक्रिया' के तौर पर क्षेत्र में और अधिक चीनी सेना उतार सकती है। वरिष्ठ कर्नल वू ने कहा, 'हम भारत से दृढ़ता पूर्वक आग्रह करते हैं कि वह अपने सैनिकों को दोनों देशों की सीमा रेखा से वापस बुलाए। यह समस्या को निपटाने के लिए आधार है। शांति और सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा दोनों चीनी और भारतीय लोगों के हितों के साथ हो।'उन्होंने आगे यह भी कहा, 'हम दृढ़ता आग्रह करते हैं कि भारत अपनी गलतियों को सही करे और अपने उकसाने वाले कामों को समाप्त करे। किआन ने कहा कि जून के मध्य में, चीनी सेना ने एक सड़क के निर्माण की जिम्मेदारी ली थी। डोंगलंग चीन का क्षेत्र है और चीन का अपने क्षेत्र में सड़क निर्माण करना एक सामान्य घटना है।

यह चीन की संप्रभुता का कार्य है और वैध है। उन्होंने आगे कहा कि भारत द्वारा चीन के क्षेत्र में घुसना परस्पर मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय सीमा का एक गंभीर उल्लंघन है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। हम अपनी संप्रभुता की रक्षा किसी भी कीमत पर करेंगे।

काबुल में तालिबानी आत्मघाती हमले में 35 मरे

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में आज हुए एक आत्मघाती हमले में मृतकों की संख्या बढ़कर 35 हो गई है। हमले में 40 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने ट्विटर पर जारी एक पोस्ट में इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि हमले में 37 खुफिया कर्मचारी मारे गए हैं। मुजाहिद ने कहा कि हमले का लक्ष्य दो बसें थी और ये बसें पिछले दो महीनों से सर्विलांस में थी।

सरकारी सुरक्षाबलों ने बताया कि विस्फोट में एक बस नष्ट हो गई। हमले में तीन नागरिक वाहन और 15 दुकानें नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गई। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान में हिंसा की घटनाएं आम होती जा रही हैं। इस वर्ष अब तक ब्लूघहसा की घटनाओं में 1662 नागरिक मारे जा चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के आकड़ों के अनुसार काबुल में इस वर्ष मारे गये लोगों में 20 प्रतिशत नागरिक शामिल है। मई के अंत में हुए ट्रक बम हमले में 150 लोग मारे गए थे।

सीरिया में कार विस्फोट, 50 आतंकी ढेर

सीरिया के इदलिब शहर में एक विस्फोट में अल-कायदा से संबंधित नुसरा फ्रंट के 50 आतंकियों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोटकों से भरी एक कार नुसरा आतंकवादियों की एक सभा में घुस गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि यह घटना योजनाबद्ध थी या दुर्घटनावश हुई। बता दें कि नुसरा फ्रंट को संयुक्त राष्ट्र व अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने आतंकवादी संगठन घोषित किया है।

दीवाली तक 3 लाख युवाओं को मिलेगा फ्री स्मार्टफोन

चुनाव दौरान किए वादे पूरे करने के लिए कांग्रेस सरकार काफी प्रयास कर रही है। सी. एम. बनने के 100 दिन में न सही दीवाली पर कैप्टन अमरेंद्र सिंह पंजाबी गबरूओं को फ्री स्मार्ट फोन का तोहफा देने की तैयारी कर रहे हैं। दीवाली के दिन 18 से 35 साल के युवाओं को इस तोहफे की शुरूआत कैप्टन अपने घर पटियाला से कर सकते हैं। पहले लाट में करीब 3 लाख स्मार्ट फोन आएंगे जो अक्टूबर से मार्च 2018 के दौरान 6 महीने में बांटे जाएंगे। 50 हजार फोन हर महीने देने की तैयारी की जा रही है।

फ्री स्मार्ट फोन के साथ एक साल के लिए फ्री वायस कॉल और 4 जी डॉटा भी होगा। स्मार्ट फोन के लिए सरकार की रिलायंस जिओ, एयरटेल, आइडिया व वोडाफोन से बातचीत जारी है। इस बात की पुष्टि करते हुए पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने कंपनी का नाम लिए बगैर कहा कि पंजाब में मोबाइल नैटवर्क चला रही कुछ कंपनियों ने सरकार को फ्री स्मार्ट फोन देने की पेशकश है। इस बारे में सी.एम. रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी से मुम्बई में मुलाकात कर चुके हैं। दो दिन पहले ही मुकेश की रिलायंस जियो ने 1500 रुपए की गारंटी रकम 3 साल बाद वापस लौटाए जाने पर 4 जी स्मार्ट फोन ऑफर किया है। चुनावों के समय कांग्रेस ने पंजाबी युवाओं को फ्री में 50 लाख स्मार्ट फोन कैप्टन स्मार्ट कनैक्ट (सांझे सुपणे) मुहिम के तहत ऑफर किए थे पर रजिस्ट्रेशन 30 लाख फोन के लिए हुए थे। कैप्टन से फ्री फोन पाने के लिए शर्ते सरकारी नौकरी पाने से कम नहीं हैं। यह उन्हें मिलेगा जिनकी उम्र एक जुलाई 2017 को 18 से 35 के बीच होगी। उम्र का बाकायदा सर्टिफिकेट प्रूफ देना होगा। 10वीं पास का सर्टिफिकेट,पंजाब का रेजिडेंस प्रूफ और परिवार की सालाना इनकम 6 लाख से ज्यादा तो नहीं इसके लिए इनकम प्रूफ भी देना होगा।

मोदी सरकार के इस दांव से चारों खाने चित हो जाएगा चीन!

चीन के साथ लगातार बढ़ते विवाद और सीमा पर तनातनी के बीच नरेंद्र मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। 10 साल की देरी के बाद सरकार ने 6 अन्य देशों के साथ मिलकर प्रोजेक्ट-75 लांच किया है, जिसके तहत कम से कम 6 एडवांस स्टील्थ टेक्नोलॉजी से लैस पनडुब्बियां भारतीय नौसेना को मिलेंगी। इसके लिए 70 हजार करोड़ की लागत की संभावना जताई जा रही है, जिसमें फ्रांस, जर्मनी, रूस, स्वीडन, स्पेन और जापान हमारा साथ देंगे। पनडुब्बी निर्माण को लेकर मोदी सरकार के इस रक्षा कार्यक्रम को प्रोजेक्ट-75 (इंडिया) नाम दिया गया है।

मई में सरकार ने अपनाई साझेदारी नीति

नवंबर 2007 में पहली बार इस डील की जरुरत महसूस की गई थी। उस समय देश में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी। इस साल मई में रक्षा मंत्रालय ने इस डील को अंतिम रूप देने के लिए नई सामरिक साझेदारी नीति अपनाई। सूत्र के मुताबिक भारत सरकार ने हाल के दिनों में पनडुब्बी बनाने के लिए 6 शिपबिल्डर्स को रिक्वेस्ट फॉर इन्फोर्मेशन (आरएफआई) भेजा है। इनमें नवल ग्रुप-डीसीएनएस (फ्रांस), थाइसेनक्रुप मरीन सिस्टम (जर्मनी), रोसोबोरोनएक्सपर्ट रुबीन डिजाइन ब्यूरो (रूस), नवानतिया (स्पेन), साब (स्वीडन) और मित्सुबिशी-कावासाकी हेवी इंडस्ट्रीज कम्बाइन (जापान) शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि इन कंपनियों से 15 सितंबर तक जवाब देने के लिए कहा गया है।

भारतीय नौसेना के पास केवल 13 पुरानी पनडुब्बियां

भारतीय नौसेना इस प्रोजेक्ट के जरिए 6 डीजल-बिजली इंजन से चलने वाली पनडुब्बियां बनवाना चाहता है। इन पनडुब्बियों में धरती पर मार करने वाली क्रूज मिसाइल, एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्सन, पानी के अंदर ज्यादा देर तक रहने की क्षमता, भारतीय हथियार और सेंसर जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी।

आपको बता दें कि भारतीय नौसेना के पास फिलहाल केवल 13 पुरानी पनडुब्बियां हैं, इनमें से आधी हरदम सक्रिय रहती हैं। हालांकि इन पनडुब्बियों में से कम से कम 10 ऐसी हैं जो 25 साल से ज्यादा पुरानी हैं। इनमें अभी भारत के पास 2 परमाणु क्षमता संपन्न पनडुब्बियां हैं। वहीं आईएनएस अरिहंत (एसएसएसबीएन) और आईएनएस चक्र (एसएसएन) भी भारतीय नौसेना के पास हैं।

ऋषि कपूर ने महिला क्रिकेट टीम पर किया विवादित ट्वीट, मचा बवाल

बॉलीवुड एक्टर ऋषि कपूर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को लेकर एक विवादित ट्वीट किया, जिसपर लोगों ने खूब बवाल मचाया। उनका यह ट्वीट उस दौरान आया जब रविवार को टीम इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप का फाइनल मुकाबला खेल रही थी।

आखिर क्या था ऋषि कपूर का ट्वीट

महिला वर्ल्ड कप को लेकर ऋषि कपूर ने ट्वीट किया, 'मैं सौरव गांगुली के उस एक्ट के दोबारा घटने का इंतजार कर रहा हूं, जो 2002 में भारत ने इंग्लैंड को हराने के बाद लॉर्ड्स की बालकनी में किया था, YO...'। उनके इस ट्वीट के बाद लोगों ने उनकी क्लास लगाना शुरू कर दी। उनके ट्वीट पर एक यूजर्स ने कमेंट लिखा कि उन्हें ऐसा नहीं लिखना चाहिए। उन्हें महिलाओं के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। एक ने लिखा कि सर आपको यह तस्वीर यूज नहीं करनी चाहिए। उस यूजर्स ने ऋषि को एक तस्वीर ट्वीट करते हुए कहा आप इस तस्वीर को यूज कर सकते थे। लेकिन बावजूद इसके उन्होंने माफी नहीं मांगी बल्कि अपनी सफाई दी। मामले को गर्म होते देख ऋषि कपूर ने उसी ट्वीट पर दोबारा लिखा कि उन्होंने वह नहीं कहा, जो समझा गया। उन्होंने माफी मांगने के बजाय सफाई देते हुए कहा कि मैंने क्या गलत कहा है, प्रिय आप लोगों की सोच गलत है। गौर हो कि मैच में सौरव गांगुली ने जीत के बाद बालकनी में अपनी

शर्ट उतारकर लहराई थी। इस ट्वीट के साथ उन्होंने सौरव गांगुली की तस्वीर भी शेयर की थी। ऋषि पहले भी कई बार अपने विवादित बयानों को लेकर फंस चुके हैं। इस साल जून में जब चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत-पाकिस्तान की भिडंत होने वाली थी तो ऋषि कपूर ने ट्वीट किया था- 'बधाई हो पाकिस्तान तुम फाइनल में आ गए? बेहतरीन! हमारे नीले रंग में तुम्हें रंगे देखकर खुशी हो रही है। अब नीले-पीले होने के लिए तैयार हो जाओ। हम तुम्हें पूरा नीला कर डालेंगे।

रिकार्ड हाई पर शेयर बाजार, निफ्टी पहली बार 9966 पर बंद

घरेलू बाजारों में आज शानदार तेजी देखने को मिली है। तेजी के इस माहौल में निफ्टी 10000 के रिकॉर्ड स्तर के करीब तक पहुंचा, जबकि सेंसेक्स 250 अंकों से ज्यादा मजबूत हुआ था। कारोबार के अंत में आज सैंसेक्स 216.98 अंक यानि 0.68 फीसदी बढ़कर 32,245.87 पर और निफ्टी 51.15 अंक यानी 0.52 फीसदी बढ़कर 9,966.40 पर बंद हुआ।

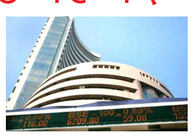

मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अच्छी खरीदारी - मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी अच्छी खरीदारी देखने को मिली है। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.25 फीसदी तक बढ़कर बंद हुआ है, जबकि निफ्टी के मिडकैप 100 इंडेक्स में भी 0.25 फीसदी की मजबूती आई है। बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स में भी 0.25 फीसदी का उछाल आया है।

कंज्यूमर ड्युरेबल्स शेयरों में तेजी - बैंकिंग, एफएमसीजी, आईटी और कंज्यूमर ड्युरेबल्स शेयरों में अच्छी खरीदारी देखने को मिली है। निफ्टी के एफएमसीजी इंडेक्स में करीब 1 फीसदी, आईटी इंडेक्स में 1 फीसदी और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है। बीएसई के कंज्यूमर ड्युरेबल्स इंडेक्स में 0.3 फीसदी की मजबूती आई है। हालांकि मीडिया, मेटल और फार्मा शेयरों में बिकवाली का दबाव नजर आया है।

पासपोर्ट बनवाने वालों को सरकार से बड़ी राहत

पासपोर्ट बनवाने के लिए परेशान हो रहे लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। सरकार ने पासपोर्ट प्रक्रिया पहले की तुलना में थोड़ा सरल बनाते हुए लोगों को राहत दी है। पासपोर्ट के लिए अब एक दस्तावेज कम लगेगा। सरकार ने संसद को जानकारी देते हुए बताया कि अब पासपोर्ट के लिए उम्र और जन्म तिथी वेरीफाई की जाएगी, लेकिन पासपोर्ट नियम 1980 के मुताबिक 26-01-1989 के बाद जन्मे लोग बर्थ सर्टिफिकेट के तौर पर मान्यता प्राप्त शैक्षिक बोर्ड, मैट्रिकुलेशन सर्टिफिकेट, पैन कार्ड, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पहचान

पत्र, या एलआईसी पॉलिसी बॉन्ड को भी प्रूफ के तौर पर यूज कर सकते हैं।

इन लोगों को मिलेगी छूट

वहीं 60 से कम और 8 वर्ष से अधिक उम्र वाले आवेदकों को पासपोर्ट फीस पर 10 प्रतिशत छूट भी मिलेगी। ऑनलाइन आवेदकों को केवल एक अभिभावक या अभिभावक का नाम ही बताना होगास इससे एकल माता-पिता के परिवारों की मदद हो सकेगी। नए पासपोर्ट हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में बनाए जाएंगे।

इस ऐप से मिलेगी फोन पर जानकारी

अपने मोबाइल पर पासपोर्ट जानकारी लेना चाहते हैं, तो आप अपने स्मार्ट फोन पर mPassport सेवा एप्लिकेशन डाउनलोड कर सकते हैं। इस ऐप पर हर तरह की जानकारी आपके लिए उपलब्ध है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

टेरर फंडिंग केसः गिलानी के दामाद समेत कश्मीर के 7 अलगाववादी नेता अरेस्ट

श्रीनगर/नई दिल्ली। एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) ने टेरर फंडिंग केस में कश्मीर के 7 अलगाववादी नेताओं को अरेस्ट कर लिया है। इनमें बिट्टा कराटे, नईम खान, अल्ताफ अहमद शाह (अल्ताफ फंटूश), अयाज अकबर, टी. सैफुल्लाह, मेराज कलवल और शहीद-उल-इस्लाम शामिल हैं। अल्ताफ हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सैयद अली शाह गिलानी के दामाद हैं। बता दें कि इसी साल मई के आखिर में सूत्रों के हवाले से ये खबर सामने आई थी कि तीन अलगाववादी नेताओं ने एनआईए को पूछताछ में ये बताया है कि उन्हें घाटी में आतंक फैलाने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाक स्थित आतंकी संगठनों से फंड मिलता है। खबर मुताबिक जेकेएलएफ (जम्मू एंड कश्मीर लिबरेशन फ्रंट) के नेता फारूख अहमद डार उर्फ बिट्टा कराटे को दिल्ली में जबकि बाकी अलगाववादी नेताओं को श्रीनगर में अरेस्ट किया गया। अयाज अकबर भी सैयद अली शाह गिलानी के करीबी हैं, अयाज तहरीक-ए-हुर्रियत के स्पोक्सपर्सन भी हैं। जबकि शहीद-उल-इस्लाम हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के उदारवादी धड़े के स्पोक्सपर्सन हैं। इस धड़े के प्रमुख लीडर मीरवाइज उमर फारूख हैं। एनआईए की एक टीम गिरफ्तार 6 अलगाववादी नेताओं को लेकर सोमवार को श्रीनगर से दिल्ली पहुंची। अब इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। एनआईए ने 3 अलगाववादी नेताओं नईम खान, गाजी जावेद बाबा और बिट्टा कराटे को मई में दिल्ली बुलाकार पूछताछ की थी। उसी दौरान इन्होंने पाकिस्तान से फंडिंग की बात मानी थी। इससे पहले मई में ही एनआईए ने तहरीक-ए-हुर्रियत के नेता बाबा और जेकेएलएफ के नेता कराटे से श्रीनगर में भी लगातार 4 दिनों तक पूछताछ की थी। उस दौरान उनसे कश्मीर में हिंसा के लिए हवाला चैनलों के जरिए फंड जुटाने के आरोप पर सवाल किए गए थे।

क्या हैं आरोप?

अलगाववादी नेताओं पर आरोप है कि इन्हें कश्मीर में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, स्कूलों और अन्य सरकारी संस्थानों को जलाने जैसे विध्वंसक गतिविधियों के लिए लश्कर चीफ हाफिज सईद से पैसा मिलता है। घाटी में सिक्युरिटी फोर्सेस पर पत्थर बरसाने के लिए हुर्रियत नेताओं को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों और पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई दोनों से फंडिंग होती है। एनआईए ने इस मामले में फिलहाल 13 लोगों के खिलाफ सबूत जुटाए हैं।

स्टिंग ऑपरेशन में हुआ था खुलासा

एक न्यूज चैनल ने 16 मई को एक स्टिंग ऑपरेशन ब्रॉडकास्ट किया था। जिसमें कश्मीर के अलगाववादियों को पाकिस्तान के आतंकी गुटों से पैसे मिलने की बात का खुलासा हुआ था। इसके बाद 19 मई को एनआईए ने इन अलगाववादी नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया था और प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी शुरू की थी। हुर्रियत नेता नईम खान को स्टिंग ऑपरेशन में लश्कर से पैसे लेने की बात कबूल करते दिखाया गया था। खान रिपोर्टर से यह कहते नजर आए थे कि पाकिस्तान से आने वाला पैसा सैकड़ों करोड़ से ज्यादा है, लेकिन हम और ज्यादा की उम्मीद करते हैं। हालांकि बाद में खान ने स्टिंग को फर्जी करार दिया था। एनआईए की तरफ से कार्रवाई शुरू होने के बाद हुर्रियत कॉन्फ्रेंस ने नईम खान को सस्पेंड कर दिया था।

छापे में मिले थे लश्कर-हिजबुल के लेटरहेड्स

एनआईए ने इस मामले में 3 जून को देश में 24 जगहों पर छापे मारे थे। कश्मीर में 14, दिल्ली में 8 और हरियाणा के सोनीपत में 2 जगहों पर छापे मारे गए थे। इस दौरान अलगाववादी नेताओं के घरों, ऑफिस और उनके कमर्शियल ठिकानों पर कार्रवाई की गई। दिल्ली में 8 हवाला डीलर्स और ट्रेडर्स के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। कश्मीर में कार्रवाई के दौरान 2 करोड़ रुपए और प्रॉपर्टी से जुड़े कागजात जब्त किए गए। लश्करे-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन के लेटरहेड्स, लैपटॉप, पेन-ड्राइव्स भी मिले थे।

गंगा में कूदकर प्रेमी युगल ने दी जान

बलिया। नरहीं थाना क्षेत्र के कोरंटाडीह डाक बंगले के सामने गंगा में कूदकर प्रेमी युगल ने खुदकशी कर ली। सोमवार सुबह दोनों शव मछुआरों के जाल में फंसे मिले। पुलिस ने मौके पर मिले मेमोरी कार्ड व एक दुकानदार के मोबाइल नंबर के जरिए दोनों की शिनाख्त की। जान देने वाली रीना (18) बृजनाथ पासवान की पुत्री थी जबकि रामचंद्र (23) निर्मल राम का पुत्र था। निर्मल राम गाजीपुर जिले में भांवरकोल थाना अंतर्गत माचा के निवासी हैं। गंगा किनारे बैग भी मिला जिसमें इन दोनों के कपड़े थे। डाक बंगले के सामने

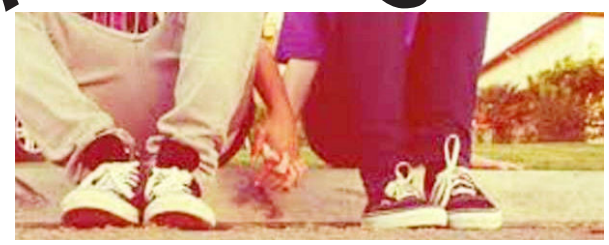

मछुआरे रोज शाम को मछली के लिए जाल लगाते हैं, सुबह उसे निकालते हैं। सोमवार की सुबह जब मछुआरों ने जाल निकाला तो उसमें दो शव फंसे थे। भयभीत मछुआरों ने इसकी जानकारी गांव प्रधान बिहारी यादव को दी। पुलिस भी पहुंची। छानबीन में नदी किनारे एक बैग मिला, इसमें दोनों के कपड़े थे। पुलिस ने दोनों शवों को बाहर निकाला। दोनों की कमर एक दुपट्टे से बंधी थी। युवक के पैंट की जेब में एक मोबाइल मिला जिसमें सिम नहीं था। जेब से एक मेमोरी कार्ड व गाना लोड करने वाले दुकानदार का नंबर भी मिला। इसके बाद दुकानदार से पूछताछ की गई, फोटो दिखाई गई तो उसने पहचान लिया। इसके बाद दोनों का पता-ठिकाना मिलते देर न लगी। कुछ ही देर में पुलिस ने युवती के पिता को तलाश लिया और मौके पर ले आई। बेटी की शिनाख्त कर बृजनाथ ने बताया कि रीना दो दिन से लापता थी। दूसरी ओर युवक की मां ने बताया कि रामचंद्र रविवार शाम से गायब था। वह गुस्सा होकर घर से निकला था। एडिशनल एसपी विजय पाल सिंह ने कहा कि घटनाक्रम की जांच की जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

तस्लीमुद्दीन का विवादित बयान, लालू सर्वमान्य नेता तो नीतीश अवसरवादी

अररिया। राजद नेता व सांसद तस्लीमुद्दीन ने फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार अटूट है, इसे कोई खतरा नही है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद सर्वमान्य नेता हैं, लेकिन नीतीश कुमार अवसरवादी हैं। तस्लीमुद्दीन ने कहा कि बिहार में राजद का जनाधार काफी मजबूत है। अगस्त की विशाल रैली विरोधियों को राजद की शक्ति का एहसास करा देगी। इसमें बिहार सहित दूर-दराज से लाखों राजद कार्यकर्ता और समर्थक शिरकत करेंगे। अन्य दलों के दिग्गज नेता भी रैली में शामिल होकर विपक्षी एकता की मिसाल कायम करेंगे। तस्लीमुद्दीन ने कहा कि कुछ लोग राजद को बदनाम करने के लिए पर्दे के पीछे साजिश रच रहे हैं, लेकिन बिहार सहित देश की जनता आने वाले समय में साजिशकताओं को मुंहतोड़ जबाव देगी।

नाबालिग से शादी रचा रहा था बुजुर्ग, पुलिस देखकर भागा

सरधना (मेरठ)। नाबालिग से शादी करने जा रहे 80 साल के शख्स की शादी रुकवाने पहुंची पुलिस को देखकर वह दीवार फांदकर फरार हो गया। बुढ़ाना निवासी 80 वर्षीय वृद्ध रविवार को गुपचुप तरीके से असम की किशोरी से शादी रचाने के लिए जुल्हेड़ा रोड स्थित नई बस्ती पहुंचा था। चर्चा है कि विवाह के लिए वृद्ध दूल्हे ने किशोरी के परिजनों को मोटी रकम भी दी। जिस मकान में शादी की तैयारियां थीं, वह बिचौलिया का बताया जा रहा है। इसी मकान में रविवार सुबह एक बच्चे की बीमारी के चलते मौत हो गई थी। ऐसे में सुबह आयोजित होने वाला वैवाहिक कार्यक्रम शाम तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। इसी बीच किसी ने यूपी 100 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दे दी। वैवाहिक स्थल पर पुलिस पहुंची तो दूल्हा बनने की हसरत पाले बैठा वृद्ध दीवार कूदकर रफूचक्कर हो गया। पुलिस ने घर में मौजूद लोगों से पूछताछ की तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला। नाबालिग की शादी नहीं कराने की हिदायत देकर पुलिस लौट गई। इस संबंध में एसएसआइ भरतलाल शाह का कहना है कि नाबालिग की शादी कराने की सूचना मिली थी।

किराए के विवाद में कंडक्टर को आया गुस्सा

चलती बस से छात्र को फेंका

पटना। बिहार के सीवान में एक कंडक्टर ने कुछ रुपयों के विवाद में एक छात्र को चलती बस से नीचे फेंक दिया। बुरी तरह घायल छात्र का इलाज सिवान सदर अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार सिवान के बड़हरिया का रहने वाला छात्र राकेश कुमार अपने घर से सिवान आ रहा था। बीच रास्ते में बस भाड़ा को लेकर उसका कंडक्टर से विवाद हो गया। छात्र पांच रुपये दे रहा था, जबकि कंडक्टर 10 रुपये मांग रहा था।

छात्र राकेश के समर्थन में और भी कई छात्र खड़े थे। इसके बाद अचानक कंडक्टर ने छात्र को चलती बस से फेंक दिया। फिर, दूसरे छात्रों को भी हल्ला करने पर ऐसे ही बाहर फेंक देने की धमकी दी। यह भी कहा कि शोर करोगे तो पूरी बस को ही गड्ढे में गिरा देगा।

घटना के बाद बस पर सवार छात्रों व अन्य यात्रियों ने शोर मचाकर बस को रुकवाया। बस पर सवार छात्र घायल छात्र के बचाव में लग गए। इसी बीच चालक बस लेकर भाग गया।

अनोखा रिसोर्ट ! इसके अंदर ही बना है बीच

दुनिया बहुत बड़ी है जिसमें एक से बढ़कर एक खूबसूरत जगह है। इनकी खासियत के बारे में जानने के लिए हर साल टूरिस्टों की भीड़ लगी रहती है। आज हम जर्मनी के कुछ मशहूर टूरिस्ट प्लेस की बात कर रहे है। जर्मनी में वैसे तो कई खूबसूरत जगहें है, लेकिन आज हम जर्मनी के इनडोर बीच के बारे में बता कर रहे है जो देखने लायक है। आइए जानते है इन इनडोर बीच

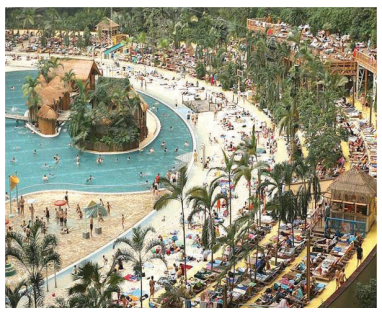

के बारे में कुछ खास बातें।
यह एक ऐसा बीच रिसोर्ट है, जहां ठंड के मौसम भी धूप, समुद्री बीच, झील-झरनों का मजा ले सकते है। यह रिसोर्ट बर्लिन शहर के दक्षिण में बना है जो बड़े हाल के अंदर बना हुआ है। यह हॉल स्टेचू ऑफ लिबर्टी को भी ढंक सकता है। इसका निर्माण 2004 में हुआ और इसकी लंबाई 1181 फीट और 689 फीट चौड़ाई है।

बीच पर घूम रहा था शख्स, तभी दिखा ये विशालकाय जीव

इंग्लैंड के कॉर्नवाल में टोनी फिशर नामक शख्स कोर्निश बीच पर घूम रहा था। तभी उसकी नजर एक अजीबोगरीब विशालकाय जीव पर पड़ी, जब उसने गौर से देखा तो वह जेलीफिश थी। इंटरनेट पर शेयर किया टोनी ने जेलीफिश की हर साइड से वीडियो बनाकर उसे इंटरनेट पर अपलोड किया है। वीडियो में वो अपने पैर से जेलफिश को घुमाते हुए नजर भी आ रहा है। इस विशालकाय जेलीफिश को देखने के बाद हर कोई हैरान है। एक वेबसाइट के मुताबिक, जुलाई 2016 में इस बीच पर हजारों की संख्या में जेलीफिश मिली थी। वहीं, अप्रैल में एक पैडलबोर्डर को भी यहां बहुत बड़ी जेलीफिश दिखी थी, जो दिखने में एलियन की तरह लग रही थी। इधर, समुद्री संरक्षण समिति का कहना है कि हाल के दिनों में यूके के समुद्रों में काफी संख्या में जेलीफिश मिली हैं, जिनमें ज्यादातर बैरल जेलीफिश हैं। हालांकि, उनका कहना था कि ये चिंता का विषय है कि इतनी संख्या में जेलीफिश यहां कैसे आ रही है। लेकिन, इस बात का जवाब किसी के पास नहीं है।

बेहद खतरनाक है बच्चों का इस तरह बैठना

बच्चों को पालना हर पेरेंट्स के लिए काफी चैलेंजिंग होता है। उनके उठने से लेकर सोने तक, माता-पिता को हर चीज का ध्यान रखना पड़ता है। लेकिन कई बार कुछ ऐसी छोटी-छोटी चीजें पेरेंट्स नजरअंदाज कर बैठते हैं, जिसकी वजह से बाद में बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ जाता है। ऐसी ही चीजों में शामिल है बच्चों का पैर को कुछ इस तरह मोड़कर बैठना। सावधान होने की है बारी...
तस्वीर में दिख रहा बच्चा जिस अंदाज में बैठा है, उसे ह सिटिंग कहते हैं। इसमें बच्चे अपने पैरों को इस तरह मोड़कर बैठते हैं, जिससे उनके पैर ह की तरह दिखते हैं। कई बच्चों में इस तरह बैठने की आदत होती है। माता-पिता भी इसे उनका स्टाइल समझ नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन इस तरह बैठना उनके लिए काफी खतरनाक हो सकता है। अगर आपको अपने आस पास कोई बच्चा इस तरह बैठा दिखे, तो उसके पैर तुरंत सीधे कर दीजिए। इससे बच्चे को बाद के समय में काफी परेशानी उठानी पड़ सकती है।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भागदौड़ रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह
विवाद में न पड़ें। भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर टलेंगे। व्ययवृद्धि होगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। धैर्य रखें।

धनु
वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। वस्तुएं संभालकर रखें।

वृष
विवाह का प्रस्ताव मिल सकता है। विशेष कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या
यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। रोजगार मिलेगा। बेचैनी रहेगी। विवाद न करें।

मकर
राजकीय बाधा दूर होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। भागदौड़ रहेगी।

मिथुन
उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। स्वाभिमान बना रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला
धन प्राप्ति सुगम होगी। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। आलस्य पर नियंत्रण रखें।

कुंभ
रोजगार मिलेगा। संपत्ति के कार्य लाभ दे सकते हैं। प्रतिद्वंद्वी शांत रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। लाभ होगा।

कर्क
अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे।

वृश्चिक
पूजा-पाठ में मन लगेगा। विवेक से कार्य करें। लाभ होगा। यात्रा सफल रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन
स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा।

4 साल के बच्चे को याद है अपने पिछले जन्म की बातें, 11 साल पहले हुई थी मौत

हरहयाणा के जींद इलाके के एक गांव जलालपुरा कलां में एक बच्चे का जन्म करीब चार साल पहले हुआ था। घर वालों ने उसका नाम लविश रखा। लविश जैसे जैसे बड़ा हुआ और उसने बोलना शुरू किया उसके मुंह से अक्सर ही एक शब्द सुनाई देने लगा, रामरा। दरसल रामरा एक गांव हैं जो जलालपुरा कलां से थोड़ी दूर पर स्थित है। वो ये भी कहने लगा कि उसकी मां का नाम कमला है। जब उसकी रट बढ़ती गयी तो परिवार वालों को कुछ शकहुआ और वो उसे लेकर सात किलोमीटर दूर रामरा गांव की ओर चले। जैसे जैसे वो करीब पहुंचे नन्हें लविश ने उन्हें आगे का रास्ता बताना शुरू कर दिया।
गांव में पहुंच कर उसने अपने पुराने घर का पता भी बताया और सही रास्ते से गलियों में गुजर कर अपने घर ले आया, जहां वो संदीप नाम का बच्चा था। उसने परिवार में अपने पहले माता पिता और परिवार के दूसरे सदस्यों का नाम भी बताया। बात यहीं खत्म नहीं हुई बल्कि वो सबको अपने खेत पर उस जगह ले गया जहां करेंट लगने के कारण पूर्व जन्म में संदीप की मौत हुई थी।

विज्ञान को हो ना हो परिवारों को यकीन

इस बात की पुष्टि रामरा गांव के संदीप के परिवार ने

भी की कुछ वर्ष पहले उनके 14 साल के बेटे संदीप की उसी जगह करेंट लगने से मौत हुई थी। हालाकि विज्ञान पुर्नजन्म की अवधारणा को नहीं मानता किंतु संदीप और लविश के परिवार को पूरा यकीन है कि ये पुर्नजन्म का ही मामला है। संदीप का परिवार इस जानकारी से बेहद खुश है और मानता है संदीप ने ही मानव योनि में दोबारा लविश के रूप में जन्म लिया है। वे भविष्य में उसके संपर्क में रहने का भी दावा कर रहे हैं। रामरा और जलालपुरा कलां दोनों गांवों में इस समय लविश चर्चा और कौतूहल का विषय बना हुआ है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मानसिक तनाव को मिनटों में दूर करनेवाली थेरेपी

बिजी शेड्यूल के चलते अक्सर आप अपने खान-पान का ख्याल नहीं रख पाते है। जिसके कारण शरीर को कई तरह की परेशानीयो का सामना करना पड़ता है। खान-पान का ठीक से ख्याल न रखने पर मानसिक तनाव, अनिंद्रा, कमजोरी जैसी समस्याएं हो जाती है। ऐसे में आप इनसे छुटकारा पाने के लिए विशेषज्ञों के द्वारा अपनाई गई क्रिस्टल थेरेपी को यूज कर सकते है।

1. क्रिस्टल का उपयोग

यह क्रिस्टल हीट कंडक्ट करते है, जिससे शरीर में ऊर्जा पैदा होती है। थेरेपी करने के लिए आपको पारदर्शी पत्थरों या ट्रांसपेरेंट क्रिस्टल की जरुरत पड़ेगी। इन पत्थरों को शरीर के दर्द वाले हिस्से पर घुमाने से दर्द जल्दी गायब हो जाता है। शारीरिक दर्द के अलावा इससे ऐंठन, जकड़न व मानसिक तनाव की समस्या भी दूर हो जाती है।

2. सर दर्द का कारण

ज्यादातर सिर दर्द तनाव, मन व शरीर की थकावट, अपर्याप्त नींद, अत्यधिक शोर, जरूरत से ज्यादा सोचने के कारण होती है। इसे दूर करने के लिए आप नीलम, एम्बर या फि रोजा क्रिस्टल को सर पर रखें। इससे सिर दर्द मिनटों में ठीक हो जाएगा।

3. नींद पूरी न होना

एक अच्छी नींद दिमाग को तरोताजा करने और शरीर के दूसरे अंगों को आराम देने के लिए बहुत जरूरी है। क्रिस पेरेज रोज क्वार्ट्ज, सिट्रीन या नीलम जैसे क्रिस्टल को अपने तकिए के नीचे रखने से आपका मन शांत होगा और आप आराम अपनी नींद पूरी कर सकते है।

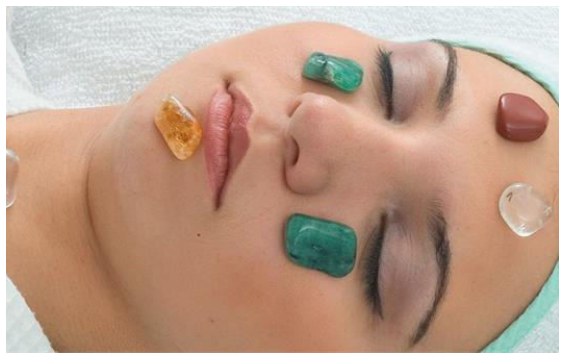

4. कमजोरी

इन क्रिस्टलों के अंदर रसायन-खनिज होने से शरीर को उर्जा मिलती है। रोजाना 15-20 मिनट मुंह उपर करके इसे पकड़ने से शरीर में ऊर्जा का तुरंत प्रसार होता है। जिससे कमजोरी जैसी समस्याएं दूर होती है। इसके लिए डीप रेड गार्नेट, गोल्डन एम्बर या गोल्डन-पीला पुखराज क्रिस्टल का इस्तेमाल करना चाहिए।

5. संतुलित करना

क्रिस्टल हीलिंग करते समय जब आप क्रिस्टल को शरीर पर रखते हैं तब कुछ क्रिस्टल शरीर पर बहुत भारी, हल्के, गरम और ठंडे महसूस होते है। जिससे पता चलता है कि शरीर के किस हिस्से में कितना असुंतलन है और उसे किस तरह से संतुलित किया जाए।

ऐसे करें एक्ने का जड़ से सफाया

खूबसूरत दिखने के लिए महिलाएं कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर फिर भी फेस पर पिंपल निकल आए तो चेहरा भद्दा दिखने लगता है। बहुत सी लड़कियां तो इनको दबाकर निकालने की कोशिश करती है, जिससे त्वचा पर निशान पड़ जाते है। ऐसा करने की बजाए आप इसे जड़ से खत्म करने के लिए घरेलू उपाए भी कर सकती है। आज हम आपको ऐसे ही कुछ घरेलू उपाए बताने जा रहें है जिससे एक्ने को आप जड़ से खत्म कर सकते है।

1. टूथपेस्ट का इस्तेमाल

टूथपेस्ट का इस्तेमाल आप दांत साफ करने के लिए करते है लेकिन इसका प्रयोग पिंपल पर भी किया जा सकता है। रात को सोने से पहले इसे मुंहासों पर लगा लें। यह मुंहासो को ठंडा करके सुखा देता है। जिससे पिंपल जल्दी ठीक हो जाता है।

2. घरेलू उपाए

ऑयली चेहरे पर मुंहासो की समस्या ज्यादा देखने को मिलती है। मुलतानी मिट्टी में नींबू और पुदीने के पत्तों का रस मिलाकर लगाने से चेहरे पर ऑयल कम हो जाता है। इसके अलावा फेस पर पिंपल निकल आने पर नीम और हल्दी का पेस्ट भी लगा सकते है।

3. फेसवॉश

अधिक ऑयल और बैक्टीरिया के कारण चेहरे पर एक्ने बनते हैं। ऐसे में चेहरे को दिन में 1-2 बार ठंडे या गुनगुने पानी से माइल्ड साबुन लगाकर धोएं। फेसवॉश यूस करते समय भी ध्यान रहे कि वो सलिसीक्लिक एसिड वाला हो। यह एंटी बैक्टीरियल होता है जो डेड स्किन को हटाने में मदद करता है।

4. बंद पोर्स

डेड स्किन के कारण पोर्स को बंद कर देती है जिससे एक्ने बनने में देर नहीं लगती। स्किन के बंद पोर्स को खोलने के लिए कैलेमाइन का इस्तेमाल करें। यह मॉइश्चराइजर ऑयली स्किन को डाई कर देता है जिससे एक्ने नहीं निकलते।

5. चंदन पाउडर

चंदन पाउडर को पिंपल पर 2-3 घंटों के लिए लगा कर चेहरे को ठंडे पानी से धो कर सूखा लें। इससे आपका चेहरा फ्रेश हो जाएगा और पिंपल भी दोबारा नहीं निकलेगा। इसके अलावा कपूर को हाथों में मसलकर पिंपल पर लगा लें और थोड़ी बाद ठंडे पानी से चेहरा को धो लें।

Eyelash Extension करवाते समय ध्यान रखें ये बातें

सेलिब्रिटी की तरह स्टाइलिश और खूबसूरत कौन दिखना पसंद नहीं करेगा। हर लड़की चाहती है कि वह सेलिब्रिटीज की तरह ग्लैमरस दिखें। इसलिए अपने चेहरे की खास देखभाल करती है। हर वो फैशन ट्रैंड फॉलो करती है जो उनकी पर्सनैलिटी को निखार सकें लेकिन आज हम आई मेकअप की बात कर रहे है। अपना आई मेकअप करते समय लड़कियां नकली पलकों का इस्तेमाल करती है ताकि इससे आंखें बड़ी और अट्रैक्टिव दिखें। इन दिनों सिल्क, सिंथेटिक और मिंक स्टाइल के लैश एक्सटेंशन ज्यादा इस्तेमाल किए जा रहें। अगर आप भी एक्सटेंडेड पलके यानी आईलैश एक्सटेंशन करती है तो कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें ताकि किसी भी तरह के इंफैक्शन से बचा जा सकें।

☞ अच्छी क्वालिटी और ब्रैंड के आईलैशेज खरीदें ताकि इससे आंखों को किसी प्रकार का कोई नुकसान न पहुंच सकें।

☞ आईलैश एक्सटेंशन खदीदने से पहले उसे ट्राई करके देंखे क्योंकि हो सकता है कि इससे आपको कोई एलर्जी या किसी तरह की परेशानी हो।

☞ हमारी आईलिड बहुत ज्यादा नाजुक होती है इसलिए बढ़िया क्वालिटी के साथ-साथ हल्के आईलैश भी खरीदें।आप मिंक आईलैशेज भी खरीद सकते है।

☞ ध्यान रखें कि आईलैशेज लगाने के करीब 24 घंटे तक आंखों पर पानी न लगने दें।अपने आईलैशेज को लंबे समय तक चलाना चाहती हैं तो नियमित टचअप करें क्योंकि उनके गिरने का खतरा बना रहता है।

☞ अगर आपको आईलैशेज की पुरी जानकारी है तो ही उसे उंतारने की कोशिश करें। नहीं तो इस काम में किसी एक्स्पर्ट की मदद जरूर लें।

☞ आईलैश एक्सटेंशन करवाते समय एक्सर्ट से अच्छी क्वालिटी की ग्लू के बारे में पूछें।सॉल्यूशन वाली ग्लू का इस्तेमाल बिलकुल ना करें।

स्किन और बालों के लिए बेस्ट है पुदीना

पुदीना हर रसोई में इस्तेमाल किया जाने वाला हर्ब है। इसकी खूशबू खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है साथ ही यह औषधिय गुणों से भी भरपूर है। फाइबर, मैग्नीशियम, कैल्शियम,आयरन,पोटाशिरम और विटामिन जैसे पोषक तत्व शामिल होते हैं जो सेहत के लिए फायदेमंद हैं। पुदीने का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है और हड्डियों भी मजबूती होती है। इसके एंटी बैक्टीरियल गुण सेहत के

साथ-साथ ब्यूटी के लिए भी फायदेमंद है और इससे त्वचा हर तरह के संक्रमण से बची रहती है। स्किन के अलावा पुदीना हेयर प्रॉब्लम को भी दूर करता है।

खुले पोर्स करें बंद

धूल-मिट्टी से चेहरे के पोर्स में गंदगी जमा होने लगती है, जिससे त्वचा पर कील,मुंहासे और रूखापन आ जाता है। पुदीना इस तरह की परेशानी के लिए सस्ता और असरदार उपाय है। यह पोर्स को टाइट करने का साथ-साथ चेहरे को फ्रैश भी रखता है। 1 टेबलस्पून पुदीने का पेस्ट, 1 टीस्पून खीरे का पेस्ट, 1 टीस्पून दही और 1 टीस्पून नींबू का रस मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। इसे 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगा कर रखें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, मंगलवार
25 जुलाई, 2017

'श्रीनिवासन और निरंजन शाह नहीं ले सकते बीसीसीआई की स्पेशल जनरल मीटिंग में हिस्सा'

नई दिल्ली। श्रीनिवासन और निरंजन शाह बीसीसीआई एसजीएम (विशेष साधारण सभा) में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इन दोनों के हिस्सा लेने पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बैठक में सिर्फ राज्य संघों के पदाधिकारी ही हिस्सा ले सकते हैं। बीसीसीआई में सुधार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक राज्य-एक वोट शायद देश में अच्छा विचार न हो लेकिन इस पर बहस की जरूरत है। सभी स्टेट क्रिकेट एसोसिएशनों से सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 26 जुलाई को होने वाले स्पेशल जनरल मीटिंग में एसोसिएशन के सदस्य ही भाग ले सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मीटिंग में लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों को लागू करने पर चर्चा होगी। सुप्रीम कोर्ट अगली सुनवाई में तय करेगा कि क्या अयोग्य करार व्यक्ति राज्य की ओर से नामित सदस्य के तौर पर मीटिंग में भाग ले सकता है या नहीं?

अगली सुनवाई 18 अगस्त को होगी। दरअसल एन श्रीनिवासन को तमिलनाडु स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन का नॉमिनी बनाया गया था जिसके आधार पर वह पिछली मीटिंग में शामिल हो गए थे। इस पर सीओए ने आपत्ति जताई थी। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की

हाल ही में संपन्न विशेष आमसभा में राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के नामित प्रतिनिधि के रूप में बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन और पूर्व सचिव निरंजन शाह को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया था। इस मुद्दे पर दोनों से जवाब मांगते हुए कहा गया कि अयोग्य घोषित किया गया कोई भी सदस्य मनोनीत सदस्य के रूप में भी इस तरह की बैठक में शामिल नहीं हो सकता। इस बीच पूर्व सीएजी विनोद राय की अध्यक्षता वाली प्रशासकों की समिति ने अपनी चौथी स्थिति रिपोर्ट के साथ हाल ही में संपन्न विशेष आम सभा की एक सीडी संलग्न की और कहा कि श्रीनिवासन और शाह शीर्ष अदालत के आदेश की वजह से किसी भी पद पर रहने के अयोग्य हैं और वे राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के मनोनीत सदस्य के रूप में विशेष आमसभा में शामिल नहीं हो सकते। शीर्ष अदालत ने इसके साथ ही बीसीसीआई के एक अन्य पूर्व अध्यक्ष अनुराग ठाकुर के व्यक्तिगत रूप से पेश होने के बाद उनके खिलाफ लंबित अवमानना के मामले में उनकी बिना शर्त माफी स्वीकार कर ली। न्यायालय ने उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही भी समाप्त कर दी। न्यायालय ने इस प्रशासकों की समिति (सीओए) से रामचंद्र गुहा और विक्रम लिमये के त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उन्हें उनकी जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया। इन दोनों ने बीसीसीआई के प्रशासक के रूप में काम करने में असमर्थता व्यक्त करते हुए त्यागपत्र दे दिया था।

मिताली ने स्वीकारी हार, कहा-महिलाओं के लिए भी होना चाहिए आईपीएल

नई दिल्ली। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए महिला विश्व कप के खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड ने भारत को 9 रनों से हरा दिया है। भारत के सामने जीत के लिए 229 रनों का लक्ष्य था लेकिन पूरी टीम 219 के आंकड़े पर सिमट गई। रोमांचक मोड़ पर पहुंचे मुकाबले में भारत ने अपने 6 विकेट सिर्फ 23 रनों पर गंवा दिए। इस हार के साथ ही पूरे हिंदुस्तान की आंखे नम हो गई। मिताली का वर्ल्ड कप पर राज करने का सपना टूट गया। कप्तान मिताली राज ने हार को स्वीकार भी किया लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि 'इंग्लैंड के खिलाफ रन का पीछा करते हुए टीम दबाव में आ गई थी लेकिन उन्हें यहां तक पहुंचने का गर्व है। मिताली ने मैच के बाद कहा, हां, मुझे टीम पर गर्व है। इंग्लैंड के लिए यह आसान नहीं था लेकिन उन्हें अपना जज्बा बनाए रखने का श्रेय जाता है। मैच में ऐसा भी समय था जब हम बराबरी पर थे लेकिन हम घबरा गए, जिससे यह हार हुई। उन्होंने कहा, मुझे लड़कियों

पर काफी गर्व है। किसी भी टीम के लिए उन्होंने मैच को आसान नहीं होने दिया। हमने टूर्नामेंट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। टीम के सभी यंगस्टर्स ने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। भविष्य की योजनाओं पर पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं निश्चित रूप से कुछ साल और खेलूंगी लेकिन मैं अपने आपको अगला विश्वकप खेलते हुए नहीं देखती हूं। झूलन गोस्वामी द्वारा तीन विकेट लेकर इंग्लैंड को 228/7 पर ही रोकने के बारे में मिताली ने कहा, झूलन अनुभवी गेंदबाज हैं और उन्होंने जरूरत के समय हमेशा ही अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, महिला क्रिकेट फाइनल देखने के लिए दर्शकों का शुक्रिया। यह सभी महिला क्रिकेटरों के हौसले के लिए बड़ी बात है। निश्चित रूप से यह अनुभव खिलाड़ियों की मदद करेगा। अब हमारे घरों में महिला क्रिकेट को लेकर अलग नजरिया है। वहीं, इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने जीत पर खुशी जतायी। मिताली ने आगे कहा कि जनता की प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक है मुझे यकीन है कि बीसीसीआई को टीम पर बहुत गर्व है। जब हम अभ्यास मैच में हार गए थे तब किसी ने हमें तवज्जों तक नहीं दिया।' उन्होंने कहा जब हम दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से हार गए, किसी ने नहीं सोचा था कि हम फाइनल में पहुंचेंगे। लेकिन हम फाइनल में पहुंचे और मेजबान टीम को हमने खेल के अंत तक जबरदस्त टक्कर दी।'

श्रीलंकाई टेस्ट टीम में मलिंडा पुष्पकुमार को जगह मिली

गॉल। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम ने 26 जुलाई से भारत के खिलाफ शुरू होने जा रही तीन मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के लिए अपनी टीम में गैर अनुभवी लेफ्ट ऑर्म स्पिनर मलिंडा पुष्पकुमार को शामिल किया है। बल्लेबाजी ऑलराउंडर धनजंय डीसिल्वा और तेज गेंदबाज नुवान प्रदीप की भी 15 सदस्यीय टीम में वापसी हुई है। टीम के नियमित कप्तान दिनेश चांदीमल अभी भी निमोनिया से उबर नहीं पाए हैं जिसके कारण अनुभवी स्पिनर रंगना हेराथ को कप्तानी सौंपी गयी है। 30 वर्षीय स्पिनर पुष्पकुमार को अभी तक श्रीलंका के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जगह बनाने का मौका नहीं मिल सका है और उम्मीद है कि यदि उन्हें मौका मिला तो वह हेराथ के साथ स्पिन विभाग की जिम्मेदारी संभाल सकते

हैं। लेफ्ट आर्म स्पिन लक्षण संदाकन और तेज गेंदबाज दुष्मंत चमीरा को हालांकि टीम से बाहर रखा गया है जो जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में टीम का हिस्सा रहे थे।

यूएस ओपन के फाइनल में टकराएंगे प्रणय व कश्यप

अनाहीम (अमेरिका)। भारतीय पुरुष शटलरों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दमदार प्रदर्शन जारी है। चीनी दबदबे को तोड़ते हुए भारतीय शटलर एक के बाद एक नई इबारत लिख रहे हैं। इसी का नतीजा है कि इस सत्र में अब एक बार फिर दो भारतीय खिताबी मुकाबले में आमने-सामने होंगे। यह मुकाबला होगा कॉमनवेल्थ गेम्स के चैंपियन पारूपल्ली कश्यप और एचएस प्रणय में। इन दोनों ने यूएस ओपन ग्रां प्रि बैडमिंटन चैंपियनशिप में अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल का टिकट कटाया। कश्यप ने एक घंटे और छह मिनट चले फाइनल में कोरिया के क्वांग ही हियो

को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 15-21, 21-15, 21-16 से पराजित किया। प्रणय ने वियतनाम के टिन मिंह एनगुएन को आसानी से 21-14, 21-19 से शिकस्त दी।

मनु-सुमित की जोड़ी हारी

मनु अत्री और बी सुमित रेड्डी की जोड़ी को हालांकि कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद ल्यू चिंग याओ और यांग पो हान की शीर्ष वरीय जोड़ी के हाथों 12-21,21-12, 20-22 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। 21महीने बाद किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे हैं कश्यप। अक्टूबर 2015 में पिंडली की चोट के कारण वह मैच के बीच से हट गए थे। 17 महीने बाद प्रणय भी किसी चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में पहुंचे हैं। पिछले साल मार्च में स्विस ओपन की ट्रॉफी जीतने के बाद यह उनका पहला फाइनल है। 02 बार मौजूदा सत्र में किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के फाइनल में दो भारतीय आमने-सामने होंगे। अप्रैल में किदांबी श्रीकांत और बी साई प्रणीत सिंगापुर ओपन के फाइनल में टकराए थे, जहां प्रणीत ने अपना पहला सुपर सीरीज खिताब जीता था। 03 ग्रां प्रि गोल्ड खिताब होगा भारतीय पुरुष शटलरों का यह इस सत्र का। समीर सैयद मोदी इंटरनेशनल और प्रणीत थाइलैंड ओपन जीत चुके हैं। 03 सुपर सीरीज खिताब भी भारतीय पुरुष शटलर इस सत्र में जीत चुके हैं। श्रीकांत ने इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया में तो प्रणीत ने सिंगापुर में ट्रॉफी जीती।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बड़े कलाकारों के साथ काम करना जरूरी: तापसी

बॉलीवुड एक्ट्रैस तापसी पन्नू का कहना है कि बड़े कलाकारों के साथ काम करना महत्वपूर्ण है क्योंकि बाजार में उनका ऊंचा औहदा है। तापसी जुड़वां 2 के एक गीत में सलमान खान के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म में सलमान ने अतिथि भूमिका निभाई है और उन्होंने हाल में वरूण धवन, जैकलीन फर्नांडीज और तापसी के साथ एक गीत की शूटिंग की। तापसी ने कहा, खान और अन्य सहित अभिनेताओं या अभिनेत्रियों के साथ काम करना जरूरी है क्योंकि बाजार में उनका ऊंचा औहदा है. उनकी लोगों के बीच अपील है और हम लोगों का ध्यान आकर्षित कर पाएंगे, हमें इससे लाभ होगा।

दीपिका और इरफान की जोड़ी फिर मचाएगी धूम

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल दीपिका पादुकोण और संजीदा अभिनय के लिए मशहूर इरफान खान की जोड़ी सिल्वर स्क्रीन पर फिर से धूम मचाती नजर आ सकती है। वर्ष 2015 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म पीकू से बॉलीवुड को दीपिका पादुकोण और इरफान खान जैसी सुपरहिट जोड़ी मिल गई थी। फिल्म में दोनों को काफी पसंद किया गया था। यह जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। यह फिल्म एक पीरियड ड्रामा होगी जो मुम्बई के एक माफिया पर आधारित होगी। फिल्म 2 अक्तूबर, 2018 को रिलीज होगी। शाल भारद्वाज के बैनर तले इस फिल्म का निर्देशन हनी त्रेहन करेंगे। फिल्म में दीपिका राहिमा खान नामक डॉन का किरदार निभाएंगी जिसे सपना दीदी भी कहा जाता है। इस डॉन ने अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए दाऊद इब्राहिम की हत्या की योजना बनाई थी लेकिन दाऊद को किसी तरह उस योजना की खबर पहले ही लग गई और उसने राहिमा खान को मरवा दिया।

अमृता अरोड़ा के साथ डिनर करने पहुंचे अरबाज खान

बॉलीवुड एक्ट्रैस अमृता अरोड़ा एक्टर अरबाज खान और कुछ खास दोस्तों के साथ डिनर करने पहुंची। लेकिन यहां मलाइका अरोड़ा नहीं दिखाई दी। तलाक होने के बावजूद अक्सर ही अरबाज और मलाइका साथ में दिखते हैं लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ।

बता दें कि अमृता अरोड़ा मलाइका की बहन हैं और अमृता के साथ अरबाज खान अच्छी बॉडिंग शेयर करते हैं। अक्सर ही अरबाज के साथ अमृता नजर आ जाती हैं।

मां आयशा टाइगर की सिक्योरिटी को लेकर परेशान

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ की मां आयशा श्रॉफ पिछले कुछ दिनों से टाइगर की सिक्योरिटी को लेकर परेशान है। दरअसल, टाइगर के फैंस उनको मिलने के लिए उनके बहुत करीब आ जाते हैं, जिससे टाइगर को चोट लगने का भी खतरा होता है। टाइगर की फिल्म 'मुन्ना माइकल' का प्रमोशन जब छोटे शहरों में किया जा रहा था, उस दौरान टाइगर के साथ कई घटनाएं घटी थी। खबरों की मानें तो आयशा अपने बेटे टाइगर के लिए कुछ और बॉडीगार्ड्स को रखना चाहती हैं। बता दें कि इस वीकेंड टाइगर अहमदाबाद में परफॉर्मेंस देने के लिए गए थे। किसी वजह के कारण उनके साथ सिर्फ एक बॉडीगार्ड था। टाइगर एक मॉल गए थे और वहां उनके फैंस ने उन्हें घेर लिया। टाइगर को अपनी सुरक्षा के लिए वहां से भागना पड़ा। जब वो अपनी कार की तरफ कूदे तो उनकी बैक में चोट लग गई। जब उनकी मां को यह बात पता चली तो उन्होंने यह नियम बना दिया कि टाइगर पांच बॉडीगार्ड्स के बिना कहीं नहीं जाएंगे।